भाद्रपद शुक्ल पक्ष-9, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 81 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
11 सितम्बर 2024
बुधवार

आज का मौसम

30 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

30 जिले तरबतर, भोपाल में 12 घंटे से नॉनस्टॉप बरसात

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्ट्रॉन्ग सिस्टम की एक्टिविटी की वजह से भोपाल समेत मध्यप्रदेश के 30 से ज्यादा जिलों में पिछले 24 घंटे से कहीं तेज, कहीं धीमी बारिश हो रही है। भोपाल में रात से जबर्दस्त बारिश का दौर है। दमोह में बीते 24 घंटे में साढ़े आठ इंच पानी गिर गया। जबलपुर में करीब 8 इंच और सिवनी में साढ़े 7 इंच बारिश हो चुकी है। नर्मदापुरम में तवा डैम के 13 में से 9 गेट, बरगी बांध के 21 में से 17, हलाली डैम के 5 और मड़ीखेड़ा डैम के 4 गेट खोले गए हैं। टीकमगढ़ और शिवपुरी में भी सड़कें डूब चुकी हैं। विदिशा में कई रास्ते बंद हैं। मौसम विभाग ने आज बुधवार को विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, हरदा, गुना और अशोकनगर में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर में भी तेज पानी गिरने का अनुमान है।बालाघाट, मंडला-सिवनी जिलों में लोग बाढ़ में फंस गए। नौबत रेस्क्यू की बन आई। सिवनी में आज 12वीं क्लास तक सभी स्कूलों की छुट्टी है।

अफसर-ठेकेदार मस्त, वाहनचालक पस्त

भोपाल में कोलार रोड को सिक्सलेन बना रही कंपनी के अविवेकपूर्ण काम व खुदाईयों से आज भी लोगों को भारी परेशानी हुई और गेस्ट हाउस के पास भरी बरसात में लंबा ट्रेफिक जाम लगा। उधर प्रशासन अकादमी के सामने वाली सड़क को बीते डेढ महीने से लोक निर्माण विभाग दूरुस्त नहीं कर पाया है और अब भारी बारिश के बीच इस काम से ट्रेफिक जाम हो रहा है।

तवा, बरगी समेत भोपाल के तीनों बांध के गेट खुले

भोपाल के तीन डैम भदभदा, केरवा और कलियासोत के गेट फिर से खुल गए हैं। कोलार डैम में भी पानी बढ़ा है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा। आज भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। भोपाल में पिछले 24 घंटे में करीब ढाई इंच पानी गिर गया। भोपाल में अब तक 46 इंच से अधिक बारिश हो चुकी है।

पुतिन इस वक्त कीव में बैठकर आपको खा रहे होते...

प्रेसिडेंशियल डिबेट में कमला हैरिस ने ट्रंप से कहा

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प और भारतवंशी कमला हैरिस के बीच आज गर्मागर्म प्रेसिडेंशियल डिबेट हुई। इसमें कमला जीत गईं। दोनों ने 90 मिनट तक अबॉर्शन, प्रवासियों, इकोनॉमी, विदेशी नीति, संसद में हिंसा जैसे 6 मुद्दों पर बहस की। डिबेट शुरू होने से पहले कमला ट्रम्प के पोडियम तक पहुंचीं और उनसे हाथ मिलाया।मगर डिबेट के दौरान ट्रम्प ने कहा कि वे राष्ट्रपति चुनाव जीतने के 24 घंटे के अंदर रूस-यूक्रेन जंग रुकवा देंगे। इस पर जवाब देते हुए कमला हैरिस ने कहा कि अगर आप राष्ट्रपति होते तो पुतिन इस वक्त कीव में बैठे होते और लंच में आपको खा रहे होते। इस डिबेट में कमला हैरिस 37 मिनट 36 सेकेंड तक बोलीं, जबकि ट्रम्प ने उनसे 5 मिनट ज्यादा लिए। उन्होंने 42 मिनट 52 सेकेंड तक अपनी बात रखी। डिबेटखत्म होने के बाद दोनों नेता बिना हाथ मिलाए वहां से लौट गए। ट्रम्प और कमला केबीच इस चुनाव में यह पहली और आखिरी डिबेट थी। कमला ने पहली बार राष्ट्रपति चुनावकी बहस में हिस्सा लिया, जबकि ट्रम्प 2016-24 तक 5 बारडिबेट में हिस्सा ले चुके हैं। 27 जून को पहली प्रेसिडेंशियल डिबेटमें जो बाइडेन ट्रंप से हार गए थे, जिसके बाद उन्होंने राष्ट्रपतिपद की उम्मीदवारी छोड़ दी थी।

- **सवाल :** दोनों ही पार्टियां इमिग्रेशन और बॉर्डर सिक्योरिटी को एक बड़ा मुद्दा मानती हैं। कमला आपकी पार्टी इस पर क्या कर रही है?
- **कमला हेरिस:** इमिग्रेशन से जुड़ी समस्याओं के लिए ट्रम्प जिम्मेदार हैं। उनकी पार्टी ने इससे जुड़े विधेयकको रोकने की कोशिश की। ट्रम्प ने अपने लोगों से फोन कर ऐसा करने को कहा। क्योंकिवे चाहते ही नहीं कि समस्या खत्म हो।
- **डोनल्ड ट्रम्प** हमारे देश में हर दिन हजारों-हजार अपराधी आ रहे हैं। वे (प्रवासी) कुत्तों को खाते हैं, वे लोगों के पालतू जानवरों को खा लेते हैं। उनकी बात काटते हुए मॉडरेटर ने कहा कि इस बात के कोई सबूत नहीं मिले हैं।
- **कमला हेरिस:** ट्रम्प के मुताबिकप्रवासी पालतू जानवरों को खाते हैं। अब ये बहस को एक्सट्रीम लेवल पर ले जा रहे है।
- **सवाल :** गाजा में 11 महीने से जंग चल रही है। अभी भी 100 बंधक हमास के पास हैं। पिछले हफ्ते इजराइली P M नेतन्याहू ने कोई भी पीस डील न होने की बात कही।
- **कमला हेरिस:** आतंकीसंगठन हमास ने 7 अक्टूबरको इजराइल पर हमला किया। उन्होंने 1200 से ज्यादा मासूम इजराइलियों कोमार डाला। कई महिलाओं से रेप किया। इजराइल को अपनी रक्षा करने का पूरा हक है, लेकिन ये भी सच्चाई है कि यह जंग बहुत लंबी खींच गई है।अब जंग खत्म होनी चाहिए। हमें एक सीजफायर डील की जरूरत है
- **डोनल्ड ट्रम्प :** अगरमैं अमेरिका का राष्ट्रपति होता तो ये जंग कभी शुरू ही नहीं होती। कमला इजराइलियों से नफरत करती हैं। नेतन्याहू जब अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करने आए तो कमला उनसे मिली भी नहीं, क्योंकि वह पार्टी कर रही थीं। कमला मिडिल ईस्ट के लोगों से भी नफरत करती हैं।मैं आधुनिकइतिहास में सबसे बड़ा इजराइल समर्थक राष्ट्रपति हूं।

मप्र में कुछ बड़े फैसलों के बाद कल रात से दिल्ली में हैं मोहन यादव

रात को प्रस्ताव सुबह मुहर, शाह से दूसरी बार मुख्यमंत्री की मुलाकात

भोपाल/नई दिल्ली दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज दिल्ली में फिर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। बीते दस दिनों में यह उनकी दूसरी मुलाकात है। इससे पहले कल रात को सोयाबीन पर एमएसपी बढ़ाने का प्रस्ताव लेकर सीएम दिल्ली पहुंचे और सुबह कृषि मंत्री शिवराज ने इसे मंजूरी दे दी।

आज सुबह यादव ने प्रधानमंत्री के अधिकारिक निवास पर पहुंचकर कुछ अफसरों से भी मुलाकात की। समझा जाता है कि मप्र की योजनाओं के संबंध में उन्होंने यह बात की है। इसके अलावा मुख्यसचिव की नियुक्ति से भी इसे जोडा जा रहा है। जानकार सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री की शाह से मुलाकात मप्र की ताजा प्रशासनिक परिस्थितियों पर केंद्रित है। वे हाल में सरकार द्वारा लिए गए कुछ निर्णयों के बारे में भी अवगत कराएंगे। इनमें प्रशासनिक कसावट की दृष्टि से जिलों की सीमाओं का नये सिरे से निर्धारण करने के लिये परिसीमन आयोग के गठन का निर्णय काफी महत्वपूर्ण है। मप्र में जिलों की लगातार बढती संख्या और के चलते गृहमंत्रालय की राय भी अहम हो जाती है। बीते दिनों राजस्थान में भी यह कवायद शुरू हुई है और वहां भी जिलों की संख्या कुछ कम होने के आसार हैं। मप्र में भी 55 जिले प्रशासनिक सुविधा के बजाए कुछ स्थानों पर दुविधा का सबब बन रहे हैं। जबकि कम से कम तीन जिलों की मांग यहां जोर पकडी हुई है। बताया जाता है कि शाह के अलावा आज मुख्यमंत्री यादव केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से भी मुलाकात करेंगे। वे रात को ही दिल्ली पहुंच गये थे।

फाइल फोटो

एमएसपी बढ़ा अब 4,892 रुपए: मप्र की कैबिनेट द्वारा सोयाबीन के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को बढ़ाकर 4,892 रुपये प्रति क्विंटल करने के प्रस्ताव को केंद्र ने मंजूरी दे दी। खास बात यह कि कल ही मप में कांग्रेस पार्टी की किसान न्याय यात्रा शुरू होने के साथ ही यह फैसला किया गया। इससे पहले दिन में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा थाा कि केंद्र ने महाराष्ट्र समेत तीन राज्यों के प्रस्तावों को पहले ही मंजूरी दे दी है और मध्य प्रदेश के प्रस्ताव पर प्राथमिकता के आधार पर विचार किया जाएगा।

नए सीएस के लिए दिल्ली में चल रही बात !

उल्लेखनीय है कि मप्र में मौजूदा मुख्यसचिव वीरा राणा का कार्यकाल आगामी तीस सितंबर तक है। वे अभी सेवावृध्दि पर कार्यरत हैं और माना जा रहा है कि अनुराग जैन के केंद्र सरकार से मप्र लौटने का निर्णय नहीं होने पर राणा को एक और सेवाकाल दिया जा सकता है। सेवावृद्दि देने या किसी अफसर के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटने के लिए केंद्र की सहमति अहम बन जाती है। जैन लंबे समय से केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर काम कर रहे हैं। यदि जैन लौटने को तैयार होते हैं तो फिर मप्र में प्रशासनिक समीकरण पूरी तरह बदल सकते हैं।

एचडीएफसी और एक्सिस बैंक पर जुर्माना

ग्राहक सेवा में लापरवाही

नई दिल्ली , एजेंसी।

देश के दो बड़े बैंकों पर भारतीय रिजर्व बैंक ने भारी-भरकम जुर्माना ठोका है। इनमें पहला देश का प्राइवेट सेक्टर का सबसे बड़ा बैक एचडीएफसी है और दूसरा एक्सिस बैंक है। केंद्रीय बैंक द्वारा तय किए गए नियमों के अनुपालन में लापरवाही करने के मामले में रिजर्व बैंक की ओर से दोनों बैंकों पर ये एक्शन लिया गया है। रिजर्व बैंक की ऐसे तमाम छोटे-बड़े बैंकों पर सख्ती जारी है, जो दिशा-निर्देशों का अनुपालन करने में लापरवाही कर रहे हैं। केंद्रीय बैंक की ओर से एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक पर कुल मिलाकर 2.91 करोड़ रुपये का जुर्माना ठोका गया है। आरबीआई ने बताया है कि जुर्माने की ये कार्रवाई बैंकों की ओर से ग्राहकों को दी जाने वाली सर्विसेज में लापरवाही के मामले उजागर होने के बाद की गई है. इसमें केवायसी डिपॉजिट पर ब्याज दरों समेत अन्य मामले भी शामिल हैं. रिजर्व बैंक ने सबसे ज्यादा पेनाल्टी प्राइवेट सेक्टर के एक्सिस बैंक पर लगाई है, जो कि 1.91 करोड़ रुपये की है. एचडीएफसी बैंक पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। बैंक ने बताया कि यहां भी जमा पर ब्याज दर, बैंक से जुड़े रिकवरी एजेंटों और बैंक कस्टमर्स सर्विस के लिए तय किए गए दिशा-निर्देशों का पालन न करने के लिए कार्रवाई हुई।

राहुल गांधी की अमेरिका में मुलाकातों पर भाजपा भड़की

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका के तीन दिनी दौर पे अमेरिकी सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की मगर इस मुलाकात की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होते ही विवाद हो रहा है। तस्वीरों में राहुल गांधी के साथ भारत विरोधी इल्हान उमर नजर आ रही हैं। अब बीजेपी ने इसे लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा है। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश को बांटने वाली और देशविरोधी बयान देने वाली ताकतों के खिलाफ खड़ा होना राहुल गांधी और कांग्रेस की आदत हो गई है।

मेट्रो एंकर

'क्या सबसे पहले अपनी आवाज कम कर सकते हैं'

आप गैलरी को संबोधित कर रहे हैं या हमें, वकील पर भड़के सीजेआई

नई दिल्ली , एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ अपनी सौम्यता व नपीतुली टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं लेकिन हाल में कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में सुनवाई के दौरान वे एक वकील के तरीकों से खिन्न हो उठे। दरअसल, जस्टिस चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ केस की सुनवाई कर रही थी। तभी सीजेआई ने वकील से अपनी आवाज नीचे करने के लिए कहा। खबरों के मुताबिक तीन न्यायाधीशों की पीठ की सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने उस वकील से पूछा कि क्या वह जजों की जगह अदालत के बाहर गैलरी को संबोधित कर रहे हैं। यह वकील एडवोकेट कौस्तव बागची थे जो भाजपा नेता भी हैं। वह इस साल की शुरुआत में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हो गए थे। बहस के दौरान, वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि उनके पास यह दिखाने के लिए वीडियो और तस्वीरें

हैं कि वकील सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त की घटना के विरोध में पथराव कर रहे थे। सिब्बल के आरोप का जवाब देते हुए वकील बागची ने कहा कि एक वरिष्ठ वकील अदालत में इस तरह के बयान कैसे दे सकता है। जिस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'क्या आप अदालत के बाहर गैलरी को संबोधित करने की कोशिश कर रहे हैं? मैं पिछले दो घंटों से आपके आचरण पर गौर कर रहा हूं।' सीजेआई चंद्रचूण ने आगे कहा, 'क्या आप पहले अपनी आवाज कम कर सकते हैं? मुख्य न्यायाधीश की बात सुनें, अपनी आवाज कम करें। आप अपने सामने तीन न्यायाधीशों को संबोधित कर रहे हैं, न कि दर्शकों को जो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म पर इन कार्यवाही को देख रहे हैं।' सीजेआई की इस हिदायत को सुनते ही वकील ने पीठ से माफी मांगी।

वहीं, दूसरी ओर मुख्य न्यायाधीश द्वारा बागची को फटकार लगाने पर तृणमूल कांग्रेस ने प्रतिक्रिया दी। पार्टी ने X पर लिखा, 'लेकिन हम एक बड़बोले आधे-समय के वकील, पूर्णकालिक भाजपा कार्यकर्ता कौस्तव बागची से और क्या उम्मीद कर सकते हैं, जो सोचते हैं कि उनके शासन में हर चीज की तरह अदालत की मर्यादा को भी खत्म किया जा सकता है? आज, माननीय मुख्य न्यायाधीश ने उनके कदाचार पर सही फटकार लगाई। ज्ञात हो कि आरजी कर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से नई स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। सीबीआई की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि जांच एजेंसी ने फोरेंसिक नमूने एम्स भेजने का फैसला किया है। सीजेआई ने पीड़िता की सभी तस्वीरें सोशल मीडिया से तुरंत हटाने का निर्देश दिया। सीजेआई ने डॉक्टरों से मंगलवार शाम 5 बजे से पहले काम पर लौटने का आग्रह किया था। अदालत ने कहा, 'अगर डॉक्टर शाम 5 बजे या उससे पहले ड्यूटी पर आते हैं तो उनके खिलाफ कोई प्रतिकूल अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस मामले की सुनवाई अब 17 सितंबर को होने वाली है।

मलाइका के पिता ने आत्महत्या की

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा के पिता अनिल अरोड़ा ने आज सुबह करीब नौ बजे बांद्रा स्थित अपार्टमेंट की छठी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद मलाइका का परिवार और उनके जानने वाले सदमे में हैं। मुंबई पुलिस भी एक्ट्रेस के घर पर है। मलाइका के एक्स हसबैंड अरबाज खान भी उनके घर पहुंचे हैं। अरबाज उन्हें घर के बाहर पुलिस और अन्य लोगों से बात करते हुए देखा गया। मलाइका के पिता अनिल अरोड़ा पंजाबी हिंदू परिवार के थे। उनका परिवार बॉर्डर पर बसे फाजिल्का जिले का रहने वाला था। अनिल ने भारतीय मर्चेंट नेवी में नौकरी की और जॉयस पोलीकार्प से शादी की थी, जो मलयाली क्रिश्चियन परिवार से आती हैं।

राजधानी में तूफानी बारिश का दौर जारी

राजधानी में लगतार हो रही तूफानी बारिश शहर पानी पानी हो गया। सड़कों पर चलने पर लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है क्यों की शहर की अंदरूनी सड़के गड्ढे और कीचड़ से भरी हुई है। चित्र - कलेक्ट्रेट से लालघाटी जाने वाली सड़क की।

राजधानी के बस स्टैंडों में अव्यवस्थाएं, कलेक्टर-ननि आयुक्त को जांच के निर्देश

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल सहित प्रदेश के चार मामलों में लिया संज्ञान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल सहित प्रदेश के चार मामलों में संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है। पहला भोपाल शहर में बस स्टैंडों की अव्यवस्थाओं का है। मामले में आयोग ने कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने बस स्टैंडों पर यात्रियों एवं अन्य जन सामान्य के लिये आवश्यक मूलभूत सुविधाओं के सम्बन्ध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी मांगा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि, शहर के अंतरराज्यीय बस टर्मिनल, नादरा, पुतलीघर, हलालपुर बस स्टैंड में जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा व्यवस्थित एवं नियमानुसार तरीके से बसों का संचालन नहीं किया जा रहा है। इस कारण यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। यात्रियों को बस स्टैंड में बसों के आने-जाने का समय एवं स्थान नहीं पता चल पा रहा है और न ही उन्हें बस स्टैंड पर शुद्ध पेयजल मिल पा रहा है।

प्रसूता के पेट में छोड़ा कपड़ा, मौत

सागर जिले के खुरई कस्बे में एक निजी अस्पताल के डॉक्टर की लापरवाही की वजह से एक महिला की मृत्यु होने की घटना सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एक साल पहले ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों ने प्रसूता के पेट में कपड़ा छोड़ दिया था, इस कारण प्रसूता महिला के पेट में दर्द और संक्रमण फैलने लगा, इसके बाद महिला की मृत्यु हो गई। मामले में आयोग ने पुलिस अधीक्षक सागर एवं सीएमएचओ, सागर से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।

इन मामलों में भी मांगा जवाब

आयोग ने इंदौर जिले के महू तहसील के किशनगंज थाना क्षेत्र के महुगांव में आकाशीय बिजली गिरने से दो किशोरों की मृत्यु होने और दमोह जिले के हटा स्थित छात्रावास के रसोईघर में आकाशीय बिजली गिरने से 19 छात्राएं एवं 02 रसोइये के झुलस जाने की घटना पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है।

राजधानी से मुंबई व उप्र के मुसाफिरों को त्योहार स्पेशल ट्रेनों के नए विकल्प

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दीपावली और छठ त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिये रेल्वे ने त्योहार स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इस दौरान पश्चिम मध्य रेल से चार स्पेशल ट्रेनों गुजरेंगी। ऐसे में मुंबई और उप्र जाने वाले हजारों यात्रियों को फायदा मिलेगा। यह स्पेशल ट्रेन 22 अक्टूबर से 13 नवंबर तक चलेगी। जानकारी के मुताबिक 01143 डेली स्पेशल ट्रेन 22 अक्टूबर से 11 नवंबर तक सुबह 10.30 बजे एलटीटी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन शाम 6.45 बजे दानापुर पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन 01144 डेली स्पेशल ट्रेन 23 अक्टूबर से 12 नवंबर तक रात 9.30 बजे दानापुर से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन सुबह 4.50 बजे एलटीटी पहुंचेगी।ट्रेन 01145 साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 21 अक्टूबर से 11 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार को 11.05 बजे सीएसएमटी मुंबई से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन रात 2.30 बजे आसनसोल पहुंचेगी। इसी

प्रकार ट्रेन 01146 साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 23 अक्टूबर से 13 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार को रात 9 बजे आसनसोल से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन सुबह 8.15 बजे सीएसएमटी मुंबई पहुंचेगी।

सीएसएमटी-गोरखपुर दैनिक स्पेशल (42 सेवाएं): ट्रेन 01079 डेली स्पेशल ट्रेन 22 अक्टूबर से 11 नवंबर तक रात 10.30 बजे सीएसएमटी मुंबई से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन सुबह 8.20 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। ट्रेन 01080 डेली स्पेशल ट्रेन 24 अक्टूबर से 13 नवंबर तक दोपहर 2.30 बजे गोरखपुर से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन रात 12.40 बजे सीएसएमटी मुंबई पहुंचेगी।एलटीटी-गोरखपुर द्वि-साप्ताहिक स्पेशल (8 सेवाएं)ट्रेन 01123 द्वि - साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन शुक्रवार और रविवार 25, 27 अक्टूबर, 01 और 03 नवंबर को एलटीटी से रात 12.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन शाम 6ः55 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। ट्रेन 01124 द्वि - साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन शनिवार और सोमवार 26, 28 अक्टूबर, 2 और 4 नवंबर को गोरखपुर से रात 9ः15 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन सुबह 7.25 बजे एलटीटी पहुंचेगी।

मोहित शेवानी की सिंधी और सिंधियत की यात्रा सुनाएंगे

रवीन्द्र भवन में 15 सितंबर को होगा कार्यक्रम

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल के रवीन्द्र भवन में 15 सितंबर को शाम 6 बजे 'सिंधियों की यात्रा-सिंध, सिंधी और सिंधियत' सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रमुख कहानीकार मोहित शेवाणी होंगे, जो सिन्धी समुदाय की समृद्ध संस्कृति, उनके संघर्षों और ऐतिहासिक धरोहरों की प्रेरणादायक कहानी प्रस्तुत करेंगे।

इस शो में शुभम नथानी, पियांशी करवानी, निलेश गंगवानी और निशीस धमेशा शामिल हैं, जो अपनी कला और प्रस्तुतियों से शो को जीवंत बनाएंगे। शो की पटकथा ख़मिन यू. मुलानी ने लिखी। इसका लिप्यंतरण भगवान बबानी द्वारा

किया गया है। कार्यक्रम में सिन्धी समुदाय की अद्वितीय विरासत और योगदान को एआई विजुअल्स और संगीत के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान, विभाजन के समय उनके संघर्ष, और पुनर्वास की मार्मिक कहानी को भी उकेरा जाएगा। कार्यक्रम में प्रवेश पास के माध्यम से होगा।

अतिथि शिक्षक 12 तक कर सकेंगे विकल्प चयन

भोपाल। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में शासकीय विद्यालयों में रिक्त पदों की अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था के लिये आवेदकों द्वारा जीएफएमएस पोर्टल पर शाला

विकल्प का चयन एवं संशोधन अब 12 सितम्बर तक किया जा सकेगा। जिन आवेदकों का किसी कारणवश स्कोर कार्ड के लिये आवेदन में दर्ज योग्यता का सत्यापन नहीं हो सका है, वे 11 सितम्बर तक यह कार्य करा सकेंगे। इसके साथ ही आवेदकों द्वारा दर्ज मध्यप्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा-2018 एवं उसके उपरांत उत्तीर्ण की जानकारी का संकुल प्राचार्य द्वारा जीएफएमएस पोर्टल पर सत्यापन का कार्य भी इसी दिन 11 सितम्बर को ही कराना होगा। इस संबंध में विस्तृत निर्देश समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, संकुल प्राचार्य, हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूल को भी जारी किये गये हैं।

संस्कार विद्यालय में हुआ हनुमान चालीसा पाठ

हिरदाराम नगर। संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को प्रातः प्रार्थना के समय हनुमान चालीस का पाठ करने की परंपरा है। मंगलवार को सुबह प्रार्थना सभा में संस्था के सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, होतचन्द रामनानी ने बच्चों के साथ चालीसा पाठ किया।

इस अवसर पर चेलानी ने कहा कि सभी के भाग्य में प्रभु का स्मरण करना नहीं होता। हम भाग्यशाली है जो चालीसा पाठ का पुण्य हासिल कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज हमारे बीच वह हैं जो 55 साल से प्रतिदिन चार घंटे राम-नाम लिखते है। रामनानी ने कहा कि विद्यालय में हनुमान चालीसा का पाठ करके बहुत अच्छा लगा। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, उपप्राचार्या मीनल नरयानी, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थिगण उपस्थित थे।

सिंधी महिला पंचायत, लायंस क्लब ने किया सम्मानित

संतनगर और बैरागढ़ कला की 75 शिक्षकों का सम्मान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी महिला पंचायत और लायन्स क्लब भोपाल मन्नत द्वारा संतनगर और बैरागढ़ कला के 75 शिक्षकों का सम्मान किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत सिंह थे, विशेष अतिथि के रुप में बसंत चेलानी, कमल भंडारी, महेश मालवीय, अभीषिक्ता खरे और दिलीप मंगतानी थे।

कार्यक्रम में विभिन्न स्कूल और कालेजों के शिक्षकों और संचालकों, प्राचार्यों का सम्मान दुपट्टा, और स्मृति चिंह प्रदान कर किया गया। यासमीन कौसर मन्नत क्लब की अध्यक्ष ने स्वागत भाषण दिया और मधु लालवानी ने सिंधी पंचायत के कार्यों को रखा। अतिथियों ने कहा कि कहा कि शिक्षक का सम्मान युगों युगांतर से हो रहा है, पंचायत और लायंस क्लब मन्नत के कार्यों की सराहना की गई। कार्यक्रम का संचालन सिंधी महिला पंचायत अध्यक्ष किरण वाधवानी ने तथा आभार शशि शर्मा ने माना।

मेट्रो एंकर छात्राओं के लिए करिअर काउंसलिंग कार्यक्रम

कॉमर्स की छात्राओं को बताए कॅरियर के विकल्प विशेषज्ञ ने

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

नवनिध हासोमाल लखानी पब्लिक स्कूल की 11वीं एवं बारहवीं की वाणिज्य संकाय की छात्राओं के लिए करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य, छात्राओं को चार्टर्ड अकाउंटेंसी से संबंधित करियर विकल्पों के बारे में सही जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान करना था।

कार्यक्रम की वक्ता चार्टर्ड अकाउंटेंट सुरभि अग्रवाल (काउंसलर) ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंसी के लिए आवश्यक योग्यताएँ और प्रवेश प्रक्रियाओं की जानकारी दीं। चार्टर्ड अकाउंटेंसी के क्षेत्र से जुड़ी करियर की योजना और भविष्य की दिशा तय करने के सुझाव देते हुए आपने बताया कि लड़कियों के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंसी का क्षेत्र बहुत अच्छा और सुरक्षित क्षेत्र है जिसे आप घर- परिवार की ज़िम्मेदारी निभाते हुए भी कर सकते हैं। उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंसी का कोर्स कराने वाली कई संस्थाओं से परिचित कराया जो भविष्य में पढ़ाई के साथ छात्राओं को करियर के प्रति निर्णय लेने में सहायक होंगी। उप प्राचार्य रेखा केवलानी ने वक्ता सुरभि अग्रवाल का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। आभार प्रदर्शन दीपशिखा लालवानी ने किया।

सत्र में शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी के एकेडमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी, विद्यालय की प्राचार्य अमृता मोटवानी, छात्राएँ एवं अध्यापिकाएँ उपस्थित रहीं।

सीएम जिस लिफ्ट का उपयोग करते हैं वही खराब, सीढ़ियों से उतरना पड़ा

मंत्रालय में शाम की घटना

भोपाल, दोपहर मेट्रो। सीएम के लिए मंत्रालय में जिस लिफ्ट का उपयोग होता है, वही मंगलवार शाम को खराब हो गई है। सीएम डॉ. मोहन यादव को दो बार लिफ्ट से बाहर निकलना पड़ा। इंतजार करने के बावजूद भी जब लिफ्ट नहीं चली तो वह पांचवे माले से सीढ़ियों के जरिए उतर गए।

यह पूरी घटना मंत्रालय में लिफ्टों के मेंटेनेंस में बरती जा रही लापरवाही का नतीजा है। संबंधित अधिकारी ज्यादातर समय लिफ्ट का ही मेंटेनेंस करवाने में जुटे रहने का दावा करते हैं तब भी सबसे ज्यादा काम लिफ्ट में ही आता है। वह भी समय पर पूरा नहीं होता और इस तरह मुख्यमंत्री तक को फंसना पड़ता है। बता दें कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को ज्यादातर समय मंत्रालय में रहे। उन्होंने विभागों की समीक्षाएं की। सूत्रों के मुताबिक वह शाम करीब 7 बजे पांचवे माले पर स्थित अपने कार्यालय से निवास जाने के लिए उतर रहे थे। जिसके लिए पांचवे माले पर लिफ्ट में प्रवेश किया। बिजली आपूर्ति अचानक बंद हो गई। जिसके कारण लिफ्ट बंद हो गई। इस बीच जनरेटर ने काम नहीं किया। कुछ समय बाद विद्युत आपूर्ति बहाल हुई तो वह बाहर निकले। एक से डेढ़ मिनट के बाद उन्होंने पुन-लिफ्ट में प्रवेश किया, लेकिन लिफ्ट नहीं चली। इस बीच रख-रखाव टीम मौके पर पहुंची। फिर भी कोई समाधान नहीं निकला तो मुख्यमंत्री सीढ़ियों से नीचे उतर गए। मंत्रालय में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में भी लिफ्ट खराब हुई थी। तब अधिकारियों को निलंबित किया था। इस बार ऐसी कार्रवाही नहीं हुई।

जनसंख्या के नए आंकड़ो के बिना कैसे ?

मप्र परिसीमन, चुनौतियां, रणनीति और बेस्ट प्रैक्टिस

*हाल में मप्र के जिलों की सीमा का नये सिरे से निर्धारण करने के लिये परिसीमन आयोग अस्तित्व में आया है। इसकी पूरी कवायद में अभी दो साल लग सकते हैं। यह भी संभव है कि जिलों की संख्या में कमी आ जाए। इस सभी कवायदों के बरक्स शहरी विकास मामलों के गहरे जानकार **मनोज मीक** ने परिसीमन पर कई एंगल खंगाले हैं। उनका मानना है कि इसमें कई चुनौतियां हैं क्योंकि जनसंख्या के ताज़ा आंकड़े नहीं होने से प्रशासनिक क्षेत्रों का परिसीमन आसान नहीं होगा। एक साल के कार्यकाल में नये आंकड़े आने की उम्मीद नहीं है। ऐसी स्थिति में आधार कार्ड जैसे बिग डेटा की मदद लेना होगा। निजता क़ानूनों के चलते केंद्र ये डेटा राज्य से शेयर करेगा या नहीं यह भी देखना होगा।*

2011 की जनगणना के अनुसार, मध्य प्रदेश की जनसंख्या 7.27 करोड़ है। जनगणना 2011 के मुताबिक, मध्य प्रदेश का जनसंख्या घनत्व 236 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था. यह राष्ट्रीय औसत 382 से कम है. मध्य प्रदेश में सबसे ज़्यादा जनसंख्या घनत्व वाला जिला भोपाल था, जहां प्रति वर्ग किलोमीटर 855 लोग रहते थे। सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला ज़िला डिंडौरी था, जहां प्रति वर्ग किलोमीटर 94 लोग रहते थे। राज्य में 52 जिले और 10 संभाग हैं, लेकिन कुछ जिलों में असमान जनसंख्या वितरण है. ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में लोग मुख्यालयों से दूर हैं, जिससे सेवाओं की उपलब्धता प्रभावित होती है.

परिसीमन के लिए रणनीति

जनसंख्या आधारित विभाजन- जिलों और तहसीलों को इस तरह विभाजित किया जाए कि प्रत्येक जिले में समान जनसंख्या हो। भौगोलिक आधार पर परिसीमन- प्राकृतिक बाधाओं जैसे नदियाँ, जंगल आदि को ध्यान में रखते हुए सीमांकन हो, जिससे प्रशासनिक पहुंच आसान होऐ। प्रशासनिक पहुंच सुनिश्चित करना। प्रत्येक गांव या कस्बे को मुख्यालय से अधिकतम 50 किलोमीटर के दायरे में लाया जाए। आर्थिक क्षेत्र का विभाजन आर्थिक गतिविधियों के आधार पर किया जाए, जैसे कृषि, उद्योग, या आदिवासी क्षेत्र, ताकि फोकस्ड गवर्नेंस हो सके. अत्यधिक जनसंख्या वाले क्षेत्रों में नए जिले और तहसील बनाकर प्रशासनिक बोझ को कम किया जाए.

विश्व का सबसे अच्छा नियोजित देश और काउंटी

- **सिंगापुर :** यह अपनी शानदार शहरी और प्रशासनिक योजना, आर्थिक विकास, और सतत जीवन के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध है. सिंगापुर को विश्व का सबसे सुव्यवस्थित और योजनाबद्ध देश माना जाता है. यहां की सरकार ने आधुनिक शहरी विकास, परिवहन, और सतत जीवन के मानकों को उच्च स्तर पर रखा है. सिंगापुर का अर्बन री-डेवलपमेंट अथॉरिटी (RA) लंबी अवधि की योजना बनाकर एक स्मार्ट और हरित शहर का निर्माण कर रही है
- **जर्मनी (बवेरिया) :** यह क्षेत्र संतुलित क्षेत्रीय विकास और प्रभावी शासन संरचनाओं के लिए जाना जाता है. बवेरिया, जर्मनी का एक प्रमुख राज्य है, जिसे संतुलित क्षेत्रीय विकास और प्रभावी प्रशासन के लिए जाना जाता है. यहां के प्रशासन ने शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों का संतुलन बनाए रखा है.

परिसीमन के लिए बेस्ट प्रैक्टिस अपनाने वाले देश

- **कनाडा :** यह देश स्वतंत्र आयोगों द्वारा निष्पक्ष और पारदर्शी परिसीमन के लिए जाना जाता है, जो जनसंख्या संतुलन, सामुदायिक प्रतिनिधित्व और भौगोलिक कारकों को प्राथमिकता देता है।
- **ऑस्ट्रेलिया :** ऑस्ट्रेलिया में स्वतंत्र सीमा आयोगों का उपयोग किया जाता है जो जनसांख्यिकीय रुझानों के आधार पर निष्पक्ष चुनावी सीमाओं को सुनिश्चित करते हैं.

घनी आबादी में नए जिले हों

जनसंख्या घनत्व वाले इंदौर, भोपाल और ग्वालियर में नए जिले बनाए जाएं। आदिवासी व पिछड़े क्षेत्रों पर ध्यान देकर सुगम जिलों में विभाजित किया जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास ध्यान में रखा जाए।

प्राचार्य, उप प्राचार्य के चयन को लेकर जारी हुए आदेश, 3 साल का परिणाम भी बताना होगा, लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू में शिकायत नहीं होनी चाहिए लंबित

मॉडल-उत्कृष्ट व सीएम राइज स्कूलों में प्राचार्य बनने के लिए देना होगा इंटरव्यू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सीएम राइज, उत्कृष्ट और मॉडल स्कूलों में प्राचार्यों के चयन को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन स्कूलों में प्राचार्य, उपप्राचार्य, प्रधानाध्यापक प्राथमिक और माध्यमिक शाला के रिक्त पदों के लिए यह प्रक्रिया शुरू की गई है। प्रक्रिया के तहत साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया होगा। आवेदक 17 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। प्राचार्य के लिए पिछले तीन सालों का परीक्षा परिणाम भी देखा जाएगा। इसी के साथ संबंधित आवेदनकर्ता पर किसी भी प्रकार की जांच जैसे लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू में शिकायत लंबित नहीं होनी चाहिए। वहीं पदों के लिए अलग अलग पात्रता निर्धारित की गई है।

आयु 57 वर्ष से अधिक नहीं-

विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, चयन के लिए 1 जनवरी 2025 की स्थिति में आयु 57 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसमें पिछले तीन सालों के नामांकन के विरुद्ध कक्षा 10वी-12वीं के बोर्ड परीक्षा परिणाम के औसत के 30 प्रतिशत के 30 नंबर रहेंगे। इसी तरह इंटरव्यू के 15 नंबर और पुरस्कार जिसमें राज्य स्तरीय के 3 और राष्ट्रीय स्तर के 5 नंबर रहेंगे। एक से अधिक पुरस्कार प्राप्त होने की स्थिति में केवल उच्च स्तर के पुरस्कार के अंक ही मान्य किए जाएंगे। जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) भी आवेदन कर सकेंगे। इंटरव्यू में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को ही पात्र माना जाएगा। इसी के साथ चयन प्रक्रिया के प्राप्त अंकों की मेरिट सूची तैयार की जाएगी।

शिक्षकों के लिए भी बढ़ाई तारीख

स्कूल शिक्षा विभाग की महत्वाकांक्षी योजना सीएम राइज विद्यालय, मॉडल स्कूल एवं जिला-स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालयों में (प्राथमिक, माध्यमिक, हाई और हायर सेकण्डरी स्तर के) प्रशासकीय पद के लिये शासकीय शिक्षकों के आवेदन आमंत्रित किये गये है। स्कूल शिक्षा विभाग ने जानकारी दी है कि ऐसे शिक्षक, जो शिक्षा विभाग के शासकीय विद्यालयों में कार्यरत हैं तथा शिक्षा के क्षेत्र में उच्चतम आयाम स्थापित करने की चुनौती को स्वीकार करने की इच्छा-शक्ति रखते हैं, तो यह अवसर उनके लिये है। इसके लिये ऑनलाइन आवेदन विमर्श पोर्टल पर 17 सितंबर 2024 तक किये जा सकेंगे।

सिवनी, मंदसौर और नीमच मेडिकल कॉलेज की 50-50 सीटें बढ़ी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रदेश के सिवनी, मंदसौर और नीमच मेडिकल कॉलेज को नई सौगात देते हुए इमें एमबीबीएस की 50-50 सीटें बढा दी हैं। अब तीनों कॉलेजों में 100-100 सीटों पर प्रवेश होंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस संबंध में नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमएसी) को स्वीकृति जारी करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि, ऑनलाइन काउंसलिंग से एमबीबीएस में प्रवेश के लिए पहले चरण की सीटें आवंटित हो चुकी हैं। अब दूसरे चरण में इन सीटों को सम्मिलित किया जाएगा। आयुक्त चिकित्सा शिक्षा तरुण पिथौड़े ने सीटें बढ़ने की पुष्टि की है।

कैम्पा योजना 20,600 हेक्टेयर में ग्रासलैंड

भोपाल। प्रदेश के जंगलों व टाइगर रिजर्व के कोर और बफर क्षेत्र के 20,600 हेक्टेयर में ग्रासलैंड तैयार किया जाएगा। वन मंत्री रामनिवास रावत ने मंगलवार को कैंपा योजना समेत अन्य कामों की समीक्षा में काम को तेजी से करने के निर्देश दिए। ग्रासलैंड विकसित होने से शाकाहारी वन्यप्राणियों की संख्या बढ़ाने में मदद मिलेगी जो बाघ व तेंदुए जैसे वन्यप्राणियों के लिए भोजन की कमी को पूरा करेंगे। यह भी कहा कि वनीकरण को प्रोत्साहित कर जलवायु परिवर्तन के खतरे को कम करें। रावत ने में प्रस्तावित गतिविधियों में नवीन क्षतिपूर्ति वनीकरण की तैयारी, रख-रखाव कार्य, नवीन रोपण कार्य की समीक्षा की।

अतिथि शिक्षकों ने किया प्रदर्शन, सीएम हाउस घेरने पहुंचे तो पुलिस ने खदेड़ा

आज स्कूल शिक्षा मंत्री और अधिकारियों से मिलेगा अतिथि शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पात्रता परीक्षा के जरिए नियमितीकरण सहित कई लंबित मांगो को लेकर राजधानी भोपाल में मंगलवार को जुटे हजारों की संख्या में पहुंचे अतिथि शिक्षकों ने कई घंटे तक धरना-प्रदर्शन किया। अतिथि शिक्षक भोपाल के आंबेडकर पार्क पहुंचे थे। यहां से वह तिरंगा यात्रा लेकर सीएम हाउस का घेराव करने के लिए जैसे ही निकले तो पुलिस ने रोक लिया। जिसके बाद तेज बारिश के बीच अतिथि शिक्षक सड़क पर बैठ गए। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों से पुलिस की झड़प भी हुई। इसके बाद प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए लाठियों से उन्हें पीछे धकेला। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रांताध्यक्ष सुनील सिंह परिहार का कहना है बीते साल 2 सितंबर को आयोजित अतिथि शिक्षक पंचायत में कई घोषणाएं की थीं, जो अब तक पूरी नहीं हुई। अतिथि शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप से मिलने पहुंचा था, लेकिन बात नहीं बनी। अब स्कूल शिक्षा मंत्री और अधिकारियों के साथ बुधवार सुबह 11 बजे प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करेंगे।

स्वच्छता ही सेवा मंत्री संभालेंगे अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्वच्छता ही सेवा है अभियान 17 सितंबर से शुरू होगा। इसी दिन पीएम नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन है। जिसे स्वच्छता के लिए शहर से लेकर गांव तक काम करके मनाया जाएगा। मंत्रियों को इसकी कमान दी है। मंगलवार को सीएम ने समीक्षा की। सोमवार को मुख्य सचिव ने कमिश्नरों व कलेक्टरों के साथ अभियान को लेकर चर्चा की थी। अभियान 2 अक्टूबर तक कई गतिविधियां होंगी।

18 से 28 सितंबर के बीच होगी तिमाही परीक्षाएं, डीपीआई नहीं भेजेगा पेपर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों की 9वीं से 12वीं कक्षा की तिमाही परीक्षाओं के आयोजन को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। नौवीं व दसवीं की परीक्षा 18 से 27 सितंबर तक पहली पाली में सुबह नौ से बारह बजे तक होगी। वहीं 11वीं व 12वीं की परीक्षा 18 से 28 सितंबर तक दूसरी पाली में दोपहर दो से शाम पांच बजे तक कराई जाएगी। प्राचार्य अपनी सुविधानुसार प्रायोगिक विषयों की परीक्षा 18 से 27 सितंबर के बीच आयोजित करा सकेंगे। बताया जा रहा है कि इस बार प्रश्न पत्र लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) तैयार नहीं करेगा। इन्हें विकासखंड स्तर पर तैयार कराया जाएगा। इसके लिए विषय विशेषज्ञों का चयन भी विकासखंड स्तर पर ही किया जाएगा। मुख्य विषयों के प्रश्नपत्र के चार-चार सेट तैयार होंगे। इनमें दो कठिन और दो सरल प्रश्नपत्र होंगे।

मेट्रो एंकर | **सरकार ने एनडीडीबी को दिए निर्देश**

अफसरों की गलती के कारण घाटे में चल रहे सहकारी दुग्ध संघ

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश के सहकारी दुग्ध संघ घाटे में चल रहे थे, जिन्हें सरकार ने नेशनल डेयरी विकास बोर्ड को दे दिए हैं। अब अगले पांच साल तक इन दुग्ध संघों का संचालन एनडीडीबी करेगा। अभी पशुपालन विभाग व सहकारिता के सहयोग से इनका संचालन किया जा रहा था। मंगलवार को सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस पर सहमति बनी, जिसमें केंद्र के अधिकारी भी शामिल हुए।

उधर बैठक के बाद देर रात को आइएएस गुलशन बामरा से सरकार ने पशुपालन विभाग का जिम्मा वापस ले लिया। अब वह पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव रहेंगे। अभी तक उनके पास पशुपालन विभाग का जिम्मा भी था। सूत्रों के मुताबिक बामरा ने सहकारी दुग्ध संघों को एनडीडीबी को देने संबंधी प्रक्रियाओं में देरी की थी, इस बात से मोहन सरकार खफा थी, जिसके चलते उनसे पशुपालन विभाग का अतिरिक्त प्रभार वापस ले लिया। असल में गुलशन बामरा पशुपालन विभाग के ही प्रमुख सचिव नहीं थे बल्कि उनके पास एमपी स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन के चेयरमैन का भी अतिरिक्त् प्रभार था, जो एक तरह से चुने हुए बोर्ड की तरह काम करने वाला संवैधानिक पद है। बताया जाता है कि सहकारी दुग्ध संघों की माली हालत सुधारने में यह फेडरेशन कमजोर पड़ रहा था, जिसके बाद सरकार ने उनसे वह विभाग वापस लेकर ई.रमेश कुमार को दिया है।

संपादकीय

पेरिस में भरपाई, सवाल कई बाकी

ओलंपिक जैसी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भारत के 'अस्थिर प्रदर्शन' को लेकर जो धारणाएं थीं वे हाल के ओलंपिक के बाद फिर पुख्ता हो गई हैं। भारी लाव लश्कर और करोडों के खर्च वाली ट्रेनिंग के बाद भी इक्का दुक्का मैडल ही खाते में दर्ज हो सके। वैसे भी अक्सर सवाल उठते रहे हैं कि इतने बड़े देश के खिलाड़ी उपलब्धियों की कसौटी पर पीछे क्यों रह जाते हैं। हाल ही में पेरिस में हुए ओलंपिक में पदक-तालिका में भारत की स्थिति को लेकर मायूसी, चिंता और अफसोस की स्थिति देखी गई। मगर अब पेरिस में ही हुए पैरालंपिक खेल प्रतियोगिता में भारत को जिस तरह की कामयाबी मिली है, उसे अब तक के ऐसे आयोजन में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन माना जा रहा है। इस बार 2024 के पेरिस पैरालंपिक में भारत के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और पहले के मुकाबले सबसे ज्यादा पदक जीतने का कीर्तिमान बनाया। भारत के हिस्से में कुल उनतीस पदक आए, जिसमें सात स्वर्ण, नौ रजत और तेरह कांस्य पदक हैं। इससे पहले तोक्यो पैरालंपिक में भारत ने उन्नीस पदक जीते थे। कहा जा सकता है कि वक्त के साथ भारत के खिलाड़ियों की क्षमता में गुणात्मक सुधार आया है और यह गहरी प्रतिबद्धता और मेहनत का नतीजा है। यह सही है कि पैरालंपिक और ओलंपिक में खेल और उसमें पदकों की अहमियत के स्तर अलग-अलग हैं। ओलंपिक में जहां खिलाड़ी के शरीर की क्षमता का परीक्षण होता है, तो पैरालंपिक में हिस्सा लेने वाले दृढ़ संकल्प और साहस की कसौटी पर आंके जाते हैं। इसमें यह भी उजागर होता है कि शारीरिक रूप से अन्य तरह से सक्षम खिलाड़ियों की खोज, उनके प्रशिक्षण, उन्हें मिलने वाली सुविधाएं, अवसर और उन पर खर्च के मामले में देश की सरकार ने कैसा रुख अपनाया है पिछले दो दशकों के दौरान केंद्र और राज्य सरकारों का रुख सकारात्मक रहा है। इसका साफ असर इंटरनेशनल स्पर्धाओं में प्रदर्शन पर देखा जा रहा है, जहां भारतीय खिलाड़ी खेलों की दुनिया में उम्मीद की राह बना रहे हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि खेल का मैदान इसीलिए होता है कि उसमें जीत हासिल करने के लिए ज्यादा से ज्यादा कोशिश की जाए। जीत गए तो उससे बेहतर करने और नहीं जीते तो अगली बार जीत के लिए फिर से खुद को तैयार करने की राह पर चलते रहने की प्रक्रिया जारी रखी जाए। बावजूद हालिया ओलांपिक में भारतीय दल के प्रदर्शन की गहन समीक्षा होना चाहिये और इसमें सुधार की जो भी संभावना नजर आती हों, उन्हें आजमाना चाहिये। क्योंकि ओलोंपिक जैसे आयोजन ही क्षमता व प्रशिक्षण का आंकने का सही पैमाने होते हैं, जहां खिलाडियों का सामने दुनियाभर के सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों से होता है। पिछले ओलंपिक में भारतीय दल ने जो उम्मीदें जगाई थीं वह इस बार पेरिस में ध्वस्त हो गई हैं। हालांकि मनु भाकर समेत जिन खिलाडियों ने पदक जीते हैं वे जीवट का प्रतीक है और देश उनका अभिनंदन भी कर रहा है। हालांकि एक हादसा विनेश फोगाट का भी है जो रेसलिंग के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए फाइनल में पहुंचकर भी अयोग्य ठहरा दी गई और रजत पदक से भी वंचित रहीं। उनके मामले में बहुत सी बहसें चली हैं और इसमें सियासी एंगल भी जुड़ते गये हैं लेकिन अन्य जो खिलाड़ी उम्मीद के मुताबिक नहीं खेल सके, उनसे मानसिक दबाव से लेकर प्रशिक्षण की जरूरत आदि पर खूब काम किया जाना चाहिये।

> वर्ग विभाजित समाज में व्यक्ति का मन भी विभाजित होता है, चाहे वह इसे स्वीकार करे चाहे न करे।
>
> -मुक्तिबोध

जाति का प्रश्न: हिन्दू दक्षिणपंथियों का बदलता नैरेटिव

■ राम पुनियानी

पिछले आम चुनाव (अप्रैल-मई 2024) में जाति जनगणना एक महत्वपूर्ण मुद्दा थी. इंडिया गठबंधन ने जाति जनगणना की आवश्यकता पर जोर दिया जबकि भाजपा ने इसकी खिलाफत की. जाति जनगणना के संबंध में विपक्षी पार्टियों की सोच एकदम साफ़ और स्पष्ट है।

जाति के मुद्दे ने हिन्दू दक्षिणपंथी राजनीति को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है. उच्च जातियां, निम्न जातियों का शोषण करती आईं हैं यह अहसास जोतीराव फुले और भीमराव आंबेडकर जैसे लोगों को था. इस मुद्दे से जनता का ध्यान हटाने के लिए उच्च जातियों के संगठनों ने भारत के अतीत का महिमामंडन करना शुरू कर दिया. हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा और मनुस्मृति के मूल्य इन ताकतों के एजेंडा के मूल में थे. पिछले कुछ दशकों से आरएसएस ने इस नैरेटिव को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है कि सभी जातियां बराबर हैं. संघ से जुड़े लेखकों ने विभिन्न जातियों पर कई किताबें लिखीं जिनमें यह कहा गया कि अतीत में सभी जातियों का दर्जा बराबर था।

आरएसएस नेताओं का यह दावा है कि अछूत जातियां विदेशी आक्रान्ताओं के अत्याचारों के कारण अस्तित्व में आईं और उसके पहले तक हिन्दू धर्म में उनका कोई स्थान नहीं था. संघ के कम से कम तीन नेताओं ने दलित, आदिवासी और कई अन्य समूहों के जन्म के लिए मध्यकाल में 'मुस्लिम आक्रमण' को ज़िम्मेदार बताया है. संघ के एक शीर्ष नेता भैयाजी जोशी के अनुसार, हिन्दू धर्मग्रंथों में कहीं भी शूद्रों को अछूत नहीं बताया गया है. मध्यकाल में 'इस्लामिक अत्याचारों' के कारण अछूत दलितों की एक नयी श्रेणी उभरी. जोशी के लिखा है- 'हिन्दुओं के स्वाभिमान को तोड़ने के लिए अरबी विदेशी हमलावरों, मुस्लिम राजाओं और गौमांस भक्षण करने वालों ने चंद्रवंशी क्षत्रियों को गायों को काटने, उनकी खाल उतारने और उनके कंकाल को किसी सूनी जगह फेंकने जैसे घिनौने काम करने पर मजबूर किया. इस तरह विदेशी हमलावरों ने 'चर्म-कर्म' करने के लिए एक नयी जाति बनाई और यह काम स्वाभिमानी हिन्दू कैदियों को सज़ा के स्वरुप दिया जाता था।

इस सारे दुष्प्रचार का उद्देश्य है जाति को ऐसी सकारात्मक संस्था बताना, जो हिन्दू राष्ट्र की रक्षा करती आई है. जाति जनगणना की मांग के जोर पकड़ने की पृष्ठभूमि में आरएसएस के मुखपत्र पाञ्चजन्य ने 5 अगस्त (2024) के अपने अंक में हितेश सरकार का एक लेख प्रकाशित किया जिसका शीर्षक है ÷ऐ नेताजी-कौन जात हो÷. लेख में यह दावा किया गया है कि विदेशी आक्रान्ता जाति की दीवारों को तोड़ नहीं सके और इसी कारण वे हिन्दुओं का धर्मपरिवर्तन नहीं करवा सके. जाति, हिन्दू समाज का एक मुख्य आधार है और उसी के कारण विदेशी हमलों के बाद भी देश सुरक्षित और मज़बूत बना रहा. इस लेख में बम्बई के पूर्व बिशप लुई जॉर्ज मिल्ने की पुस्तक 'मिशन टू हिन्दूस-ए कॉन्ट्रिब्यूशन टू द स्टडी ऑफ़ मिशनरी मेथडस÷ से एक उद्धरण दिया गया है. उद्धरण यह है '...तो फिर वह (जाति), सामाजिक ढांचे का आवश्यक हिस्सा है. मगर फिर भी, व्यावहारिक दृष्टिकोण से वह लाखों लोगों के लिए धर्म है...वह किसी व्यक्ति की प्रकृति और धर्म के बीच कड़ी का काम करती है।

लेखक के अनुसार, मिशनरीज़ को जो चीज़ उस समय खल रही थी वही आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को खल रही है क्योंकि कांग्रेस, ईस्ट इंडिया कंपनी और लार्ड ए.ओ. ह्यूम की उत्तराधिकारी है. इसमें यह भी कहा गया है कि चूँकि आक्रान्ता, जाति के किले को नहीं तोड़ सके इसलिए उन्होंने (मुसलमानों) ने इज्ज़तदार जातियों को हाथ से मैला साफ़ करने के काम में लगाया और यह भी कि उस काल से पहले हाथ से मैला साफ़ करने की प्रथा का कहीं वर्णन नहीं मिलता. लेख में कहा गया है कि मिशनरी समाज के पिछड़ेपन के लिए जाति प्रथा को दोषी मानती हैं और कांग्रेस को भी जाति एक काँटा नज़र आती है।

यह लेख झूठ का पुलिंदा है. पहली बात तो यह कि दूसरी शताब्दी ईस्वी में लिखी गयी 'मनुस्मृति' में जाति प्रथा की व्याख्या और उसकी जबरदस्त वकालत की गयी है. यह पुस्तक देश में विदेशी आक्रांताओं के आने के सैकड़ों साल पहले लिखी गयी थी. कई अन्य पवित्र हिन्दू ग्रंथों में भी कहा गया है कि निम्न जातियों के लोगों को उच्च जातियों से दूर रहना चाहिए. यही सोच अछूत प्रथा और हाथ से मैला साफ़ करने की प्रथा - दोनों की जननी है. पवित्रता और प्रदूषण से सम्बंधित सारे नियम और आचरण ओर पुनर्जन्म का सिद्धांत भी इसी सोच पर आधारित है. नारद संहिता और वाजसनेयी संहिता भी यही कहती हैं. नारद संहिता में अछूतों के लिए जो कर्तव्य निर्धारित किये गए हैं, मानव मल साफ़ करना उनमें से एक है. वाजसनेयी संहिता कहती है कि चांडाल गुलाम हैं जो मनुष्यों का मैला साफ़ करते हैं।

डॉ आंबेडकर का मानना था कि जाति प्रथा को ब्राह्मणवाद ने समाज पर लादा है. आरएसएस के मुखपत्र में प्रकाशित लेख जहाँ जाति प्रथा की तारीफों के पुल बांधता है वहीं क्रन्तिकारी दलित चिन्तक और कार्यकर्ता उसे हिन्दू समाज की सबसे बड़ी बुराईयों में से एक मानते हैं. इसी कारण डॉ आंबेडकर ने जाति के विनाश की बात कही थी।

हिन्दू राष्ट्रवादी, आनुपातिक प्रतिनिधित्व और जाति जनगणना के पूरी तरह खिलाफ हैं. आनुपातिक प्रतिनिधित्व की शुरुआत गाँधीजी और डॉ आंबेडकर के बीच हस्ताक्षरित पूना पैक्ट से हुई थी और बाद में इसे संविधान का हिस्सा बनाया गया. इसके विरोध में अहमदाबाद में 1980 और फिर 1985 में दंगे हुए. सन 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करने के बाद, राममंदिर आन्दोलन अचानक अत्यंत आक्रामक हो गया।

जहाँ तक कांग्रेस के ईस्ट इंडिया कंपनी और ह्यूम की विरासत की उत्तराधिकारी होने के आरोप का सवाल है, यह सफ़ेद झूठ है. इस तरह के झूठ केवल वे ही लोग फैला सकते हैं जो स्वाधीनता आन्दोलन से दूर रहे और आज भी भारत को एक बहुवादी और विविधताओं का सम्मान करने वाले देश के रूप में नहीं देखता चाहते. तिलक से लेकर गाँधी तक के नेतृत्व में कांग्रेस ब्रिटिश शासन के खिलाफ थी. ह्यूम इसी कांग्रेस का हिस्सा थे. ऐसा आरोप लगाया जाता है कि ह्यूम ने कांग्रेस की परिकल्पना एक सेफ्टी वाल्व के रूप में की थी. मगर गहराई से अध्ययन करने पर कांग्रेस के गठन की प्रक्रिया और उद्देश्य साफ़ हो जाते हैं. देश में उभरते हुए राष्ट्रवादी संगठनों जैसे मद्रास महाजन सभा (संस्थापक पनापक्कम आनंदचेरलू), बॉम्बे एसोसिएशन (संस्थापक जगन्नाथ शंकर शेठ) और पूना सार्वजनिक सभा (संस्थापक एम.जी. रानाडे) को स्वतंत्रता की अपनी मांग को उठाने के लिए एक राजनैतिक मंच की ज़रुरत थी. उन्होंने कांग्रेस के आव्हान को स्वीकार किया और उसे एक ऐसा राष्ट्रीय मंच बनाया जो नए उभरते भारत की आकाँक्षाओं को उठा सके. इसकी शुरूआती मांगो में शामिल था आईसीएस की परीक्षा के लिए भारत में केंद्र बनाना. कांग्रेस ने ज़मींदारों पर नियंत्रण लगाने की मांग भी उठाई ताकि उनकी अधीनता में काम कर रहे श्रमिक आजाद हो सकें और यह भी कहा कि देश के औद्योगीकरण के लिए अधिक सुविधाएँ मुहैय्या करवाई जानी चाहिए।

आगे चलकर इसी कांग्रेस ने 'पूर्ण स्वराज्य' और 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' के नारे भी बुलंद किये. जिस कांग्रेस पर पाञ्चजन्य निशाना साध रहा है, उसी ने राष्ट्रीय आन्दोलन का नेतृत्व किया और साथ ही सामाजिक न्याय, जिसके आंबेडकर पुरजोर समर्थक थे, के मुद्दे को भी उठाया।

आंबेडकर, जो भारतीय संविधान के मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते थे और आरएसएस, जो हिन्दू राष्ट्रवाद की वकालत करती थी, के बीच के अंतर को भुलाया नहीं जा सकता. आंबेडकर ने मनुस्मृति का दहन किया था जबकि आरएसएस इस पवित्र पुस्तक में प्रतिपादित जातिगत असमानता के मूल्यों का समर्थक है. आंबेडकर ने भारत के संविधान का मसविदा तैयार किया था और आरएसएस ने इसी संविधान का खुलकर विरोध किया था. और आज भी परोक्ष रूप से कर रहा है।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया. लेखक नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं) यह उनके विचार हैं।

आज का इतिहास

- 1217: फ्रांसीसी सम्राट लुइस ने इंग्लैंड के राजा हेनरी तृतीय ने शांति समझौता किया।
- 1498: तैमूरी राजवंश का शासक तैमूर लंग सिंधु नदी के तट पर पहुंचा।
- 1605: स्वीडन और पोलैंड ने संघर्ष विराम संधि पर हस्ताक्षर किये।
- 1786: लार्ड कॉर्नवालिस भारत के गवर्नर जनरल और कमांडर इन चीफ बने।
- 1870: पहले व्यवहारिक टाइपराइटर की बिक्री शुरू।
- 1909: जर्मन रसायनशास्त्री फ्रिट्स हॉफमैन ने सिंथेटिक रबर का पेटेंट हासिल किया।
- 1922: पावो नुरमी ने 5000 मीटर दौड़ का विश्व रिकॉर्ड बनाया।
- 1925: दक्षिणी रोडेशिया (अब जिम्बाब्वे) पर ब्रिटेन ने कब्जा किया।
- 1928: फ्लोरिडा में भीषण तूफान से 6000 लोगों की मौत।
- 1931: महात्मा गांधी गोलमेज सम्मेलन में शामिल होने के लिए लंदन पहुंचे।
- 1938: एडॉल्फ हिटलर ने चेकोस्लोवाकिया के सुडेनलैंड क्षेत्र के जर्मनों के लिए स्वायत्तता और आत्मनिर्भरता की मांग की।
- 1940: फ्रांस के लास्कॉक्स में गुफा चित्रों की खोज की गई।
- 1944: अमेरिकी सेना ने पहली बार जर्मनी में प्रवेश किया।
- 1948: भारतीय सेना ने हैदराबाद राज्य के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया।
- 1959: तत्कालीन सोवियत संघ का रॉकेट 'लूना 2' चांद पर पहुंचा।
- 1966: भारतीय तैराक मिहिर सेन ने डारडेनेल्स जलडमरूमध्य को तैरकर पार किया।
- 1968: अल्बानिया ने वारसा संधि से अलग होने की घोषणा की।
- 1977: दक्षिण अफ्रीकी विरोधी नस्लवादी कार्यकर्ता स्टीव बिको की पुलिस हिरासत में मौत।
- 1987: इथियोपिया ने अपना संविधान अपनाया।
- 1990 : पूर्वी और पश्चिमी जर्मनी के एकीकरण के लिए अमेरिका, इंग्लैण्ड, फ्रांस, सोवियत संघ, पूर्व और पश्चिम जर्मनी ने समझौते पर हस्ताक्षर किये।

निशाना

शुरू हुआ गुणगान !

- कृष्णेन्द्र राय

आया समय चुनाव का ।
शुरू हुआ गुणगान ।।
है गिनाते जाना ।
किया क्या महान ।।
जाकर जनदरबार में ।
शीश है नवाना ।।
यही हमारा काम है ।
आप ने भी माना ।।
आगे थोड़ा कर लेंगे ।
और भी सुधार ।।
काम की गुणवत्ता ।
बची कई प्रकार ।।
होगा देना मौका ।
इस पर करें विचार ।।
कर रहे विरोधी पर ।
पहले से प्रहार ।।

हरियाणा में चुनाव

झलक रहे रुख के बावजूद मौजूद यक्ष प्रश्न

■ ऋतुपर्ण दवे

देश में चंद राज्य ऐसे हैं जहां तेवर, साफगोई, मिजाज और माहौल साफ-साफ दिखते हैं। उनमें एक हरियाणा, बेहद अहम है। यहीं से देश में आयाराम-गयाराम की राजनीति शुरू हुई और इतनी कि एक दिन में कई बार दल बदलने का रिकॉर्ड भी हरियाणा के नाम ही है। जिस हरियाणा में बीते लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की खामोशी दिखी और ऐसी कि बड़े-बड़े विश्लेषक भी सही आंकलन नहीं कर पाए। वहीं अब माहौल बहुत साफ दिख रहा है या यूं कहें कि हरियाणा का रुख झलकने लगा है। हरियाणा में हक की लड़ाई और विरोध की ताकत हमेशा बिना लाग-लपेट दिखती है। इसी से देश के इस छोटे से राज्य की अहमियत अलग झलकती है जिससे राजनीतिक बैरोमीटर का दबाव समझने वालों को आसानी होती है। यही तेवर और कलेवर हरियाणा की खास पहचान हैं। वहां की मिट्टी ही अलग है जो इस छोटे से राज्य ने खेलों, खासकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वो मुकाम बनाया जो देश-दुनिया में हरियाणावी पहचान बना।

खेल भावना और एथलीट बनने के जुनून के साथ फौज में जाने की होड़ ने देश की आबादी के महज 2 फीसद हिस्सेदारी वाले हरियाणा को अलग पहचान दी। यदि इसे आंकड़ों में बदलें तो ऐसा राज्य है जो अब तक जीते ओलंपिक पदों में 30 फीसद और हालिया पेरिस ओलंपिक में 21 फीसद हिस्सेदारी रखता है। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत द्वारा जीते 6 पदकों में से 4 हरियाणा ने दिये।अब वही हरियाणा खेलों से निकल, विधानसभा चुनाव में देश की राजनीति में नया खेल दिखाने को तैयार है। हरियाणा चुनाव, जाट और गैर-जाट समीकरण पर होते हैं। अभी टिकट बंटने और कटने का दौर जारी है। लेकिन जैसे बगावती तेवरों का भाजपा को सामना करना पड़ रहा है वह पूरे देश में अलग से हैं। अनुशासन की सख्ती और शीर्ष नेतृत्व के

इशारों पर चलने वाली भाजपा में जो विरोध, अंतर्कलह, बगावत और इस्तीफों का दौर चल रहा है उससे हर कोई हैरान है। यह भाजपा के लिए शुभ संकेत नहीं है। महज 90 सीटों वाले इस राज्य में अभी काफी कुछ दिखना-दिखाना बाकी है। यहां 40 सीटों पर जाट प्रभाव रखते हैं। 1966 में पंजाब से अलग होकर 33 साल तक इनका राजनीति में वर्चस्व रहा। चौधरी देवी लाल, बंसी लाल, भूपिंदर सिंह हुड्डा लंबे समय तक सत्ता में रहे। गैर-जाट समुदाय से भगवत दयाल शर्मा, राव बीरेंद्र सिंह, बिश्नोई समुदाय से भजन लाल तो पंजाबी समुदाय से मनोहर लाल खट्टर और नायब सिंह सैनी मुख्यमंत्री बने।

वर्ष 2019 में बहुमत से पिछड़ी भाजपा ने 40 सीटें जीतीं तो कांग्रेस 31 पर रुक गई। जजपा ने 10 सीटें जीत ताज भाजपा को पहनाया जो अब विरोध में है। वहीं नए प्रयोग से अनुशासन का नया संदेश देते हुए भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने तब पंजाबी समुदाय के मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री बनाया। लेकिन चुनाव से ऐन पहले हवा के रुख को भांपते हुए बड़ी सोशल इंजीनियरिंग की। आनन-फानन में ओबीसी समुदाय के नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया तो प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर ब्राह्मण चेहरा मोहन लाल बडौली को बिठाया। उधर, जाट वोट में सेंधमारी की रणनीति के तहत पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल की बहू किरण चौधरी को न केवल भाजपा में शामिल किया बल्कि राज्यसभा तक पहुंचा, बड़ा दांव खेला। कांग्रेस ने भी ओलंपियन और एथलीटों को न केवल दल में लिया बल्कि पहलवान आंदोलन की प्रमुख विनेश फोगाट को टिकट देकर दूसरी चाल चल दी। बजरंग पुनिया को किसान कांग्रेस की अहम जिम्मेदारी सौंप स्थिति तू डाल-डाल तो मैं पात-पात वाली बना दी।सतर्क कांग्रेस अपना जनाधार और हाईकमान को रुतबा दिखाने खातिर पसीना बहाती दिखी जरूर, लेकिन गुटबाजी अब तक नहीं थमी। हुड्डा और सैलजा ने अपने-अपने प्रभाव दिखाने की मुहिम के तहत खूब रैलियां, यात्राएं निकालीं। हुड्डा की 'हरियाणा मांगे हिसाब' तो सैलजा की 'जनसंदेश यात्रा' से कांग्रेस के प्रति लोगों का झुकाव और माहौल तो दिखा लेकिन असल में ये कहीं न कहीं नतीजों से पहले मुख्यमंत्री पद की खातिर जोर आजमाइश से ज्यादा नहीं थीं।

हवा का रुख भांपते हुए भाजपा को एमएसपी, किसान आन्दोलन, अग्निवीर योजना का असर, महिला पहलवानों की बगावत, जातीय जनगणना, रोजगार गारंटी का मुद्दा सताने लगा। मुख्यमंत्री बदले जाने के बावजूद धरातल पर दिख रही एंटी इन्कंबेंसी का लाभ उठाने के बजाय कांग्रेस गुटों में ही उलझी है तो गठबंधन धर्म की दुहाई पर 'आप' के साथ सीट शेयरिंग पर भी सहमति न हो पाना बड़ी मुसीबत बनेगी। ऐसे में भूपिन्दर-दीपेन्दर हुड्डा बनाम कुमारी सैलजा के बीच नहीं थमती गुटबाजी से पहले ही इंडिया गठबंधन में गांठें खुलेंगी या बढ़ेंगी की चर्चाएं शुरू हो गईं। 22 जिलों वाला उत्तरी भारत का बेहद निराला और खुलकर बोलने वाला राज्य अहीरवाल, जाटलैंड और उत्तरी हरियाणा इलाकों में बंटा है।चुनाव से पहले हरियाणा ही अब वो राज्य है जो साफ संकेत देता है। झलक रहे रुख के बावजूद हरियाणा में भाजपा-कांग्रेस में सब कुछ ठीक हो जाएगा, लगता नहीं। अब ताज किस के सिर होगा तीसरी बार भाजपा या फिर कांग्रेस के, देखने लायक होगा? इंतजार कीजिए, आठ अक्तूबर अभी दूर है।

-साभार

कार्यशाला का हुआ आयोजन

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

जनपद पंचायत केसला, विकासखंड केसला जिला नर्मदापुरम में प्रधान पाठक, प्राचार्य व विकासखंड स्तरीय अधिकारियों का ÷सक्षम जीवन कौशल÷ कार्यक्रम पर एक दिवसीय (प्रथम बैच) उन्मुखीकरण कार्यशाला जनजातीय कार्य विभाग व मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से संपन्न हुआ।सक्षम जीवन कौशल के द्वितीय चरण में इस वर्ष विकासखंड केसला के समस्त माध्यमिक, सी.एम राइज, व विशिष्ट आवासीय विद्यालयों में अध्यनरित छात्र छात्राओं को गतिविधि आधारित खेल सत्रों में मध्यम से जीवन कौशल विकसित किया जाएगा। सक्षम कार्यक्रम की खास बात है यह है की यह कार्यक्रम पूरी तरह से शिक्षकों द्वारा अपने विद्यालयों में संचालित किया जाएगा।

5 छात्राओं ने हॉकी में बाजी मारी

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 सीपीई इटारसी की 5 छात्राओं ने के. वि. सं. नई दिल्ली द्वारा आयोजित 53 वी राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता 17 में जीता कांस्य पदक विद्यालय के खेल प्रभारी अभिषेक संतोरे ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय की 5 छात्राएँ - वैष्णवी चौरे, नैना, यशवनी सराठे, महक केवट एवं अवनी आर्या ने दिनाँक 3 से 7 सितंबर 2024 तक जम्मू में आयोजित राष्ट्रीय हॉकी खेल प्रतियोगिता में भोपाल संभाग से खेलते हुए चेन्नई को 4-1, लखनऊ को 5-0, क्वार्टर फाइनल में पटना को 3-0, एवं बैंगलोर को 4-0 से हराकर कास्य पदक प्राप्त कियाद्य विद्यालय के छात्र कृष्ण कुमार सोनी ने हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता टेबल टेनिस 17 में भोपाल संभाग का प्रतिनिधित्व किया। राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में इनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यालय के प्राचार्य श्री अरविंद कुमार राय, अनुरक्षक शिक्षिका माधुरी बोरकर, विद्यालय के हॉकी कोच शेख़ नियाज़ एवं समस्त स्टाफ ने बधाई दी।

शासकीय एसएनजी उमा विद्यालय में आयोजित हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

1 से 19 वर्ष तक के किशोर- किशोरियों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल की दवा

गोली खाने से वंचित रह गए बच्चों को 13 सितंबर को खिलाई जाएगी एल्बेंडाजोल गोली

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नर्मदापुरम.भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (एन.डी.डी.) का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत 01 से 19 वर्ष तक के किशोर/किशोरीयो को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गई। जिले के 01 से 19 वर्ष तक के किशोर/किशोरियों का कुल लक्ष्य 468853 है। जिले के 2274 शासकीय तथा अशासकीय स्कूल एवं 1771 आंगनवाडी केन्द्र पर एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जायेगी। बच्चों में कृमि संक्रमण, व्यक्तिगत अस्वच्छता तथा संक्रमित दूषित मिट्टी के संपर्क से संभावित होता है। कृमि संक्रमण से बच्चो का जहाँ एक ओर शारीरिक एवं बौद्धिक विकास बाधित होता है। वहीं दूसरी और उनमें खून की कमी व पोषण स्तर पर दृष्प्रभाव परिलक्षित होता है।

इस अभियान के अन्तर्गत के अंतर्गत शासकीय/अशासकीय अनुदान प्राप्त शालाओं, आदिवासी आश्रम शालाओ, प्रायवेट अनुदान प्राप्त शालाओ, केन्द्र शासित शालाओ, मदरसो, स्थानीय निकाय की शालाओ तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों में 1 से 19 वर्षीय समस्त बच्चों का कृमिनाशक गोलियों खिलाई गई। 13 सितंबर को मापअप दिवस में छुटे हुये समस्त किशोर व किशोरी बालिकाओं को एल्बेंडाजोल की गोलियों खिलाई जावेगी।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष नर्मदापुरम श्रीमति नीतू यादव द्वारा शासकीय एस.एन.जी. उ.मा.वि में विधिवत किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. आर.सी. प्रजापति, नोडल अधिकारी शहरी क्षेत्र डॉ. अक्षय रघुवंशी चिकित्सा अधिकारी आरबीएसके डॉ. असलम अख्तर, श्री सतीश पटेल एवं एएनएम व आशा कार्यकर्ता एवं स्कूल शिक्षक उपस्थित थे।

राज्य स्तर से संयुक्त संचालक डॉ. नीरा चौधरी, डिप्टी डायरेक्टर डॉ. राजकुमारी चौहान, सीएमएचओ डॉ. दिनेश देहलवार, डीआईओ डॉ. आर.के. वर्मा, डीसीएम श्री शैलेन्द्र शुक्ला द्वारा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर जिले के स्कूलो एवं आंगनवाड़ियों पर संचालित गतिविधियों की मॉनिटरिंग की गई। शासकीय एस.एन.जी. उ.मा.विद्यालय नर्मदापुरम में बच्चों को कृमि संक्रमण, व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में बताया।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस: चेंज द नरेटिव थीम के आधार पर हुआ सेमिनार आयोजित, 128 प्रतिभागी उपस्थित रहे

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल के रेड क्रॉस सोसायटी में चेंज द नरेटिव थीम आधारित जन जागरूकता स्वास्थ्य संवाद एवं काउंसलिंग हुई जिसमे लगभग 128 प्रतिभागी उपस्थित रहे। आरएमओ डॉ संजय पुरोहित, मेंटल हेल्थ नोडल अधिकारी डॉ सृजन सेंगर, डॉ शुभम सरकार, डॉ राजेश धाकड़, क्लिनिकल साइक्लोजिस्ट नाजिया सिद्दिकी ने सभी प्रतिभागियों को मानसिक तनाव से दूर रहने, अवसाद की स्थिति उत्पन्न ना होने देने एवं दुविधा को अपने स्वजनों को बताने सम्बंधी संवाद किया। सेमिनार में बताया गया कि आत्महत्या का मन में विचार आते ही तुरंत मनकक्ष जिला अस्पताल में जाकर चिकित्सक से या टोल फ्री नंबर 14416 या मनहित एप का उपयोग करके लाभ ले सकते हैं। सेमिनार की व्यवस्था अस्पताल प्रबंधक अलका इंदौरकर, नर्सिंग ऑफिसर पम्मी राव, उप जिला अंधत्व अधिकारी विलास नीले, मीडिया प्रभारी सुनील साहू, शेरसिंह बड़कुर, गीता चोधरी, गोलू वार्ड वाय ने की। मानसिक रूप से ग्रसित मरीजों की काउंसलिंग तथा दवा का वितरण निःशुल्क किया गया। अन्य व्यक्तियों को मनकक्ष एवं आत्म हत्या रोकने के प्रयासों से संबंधित आईईसी सामग्री वितरित की गई।

विस संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही 11 बीएलओ को कारण बताओ नोटिस जारी

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

भारत निर्वाचन आयोग एवं राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बीएलओ को डोर टू डोर सर्वे मतदाता संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य समय सीमा में संपन्न करना है विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 136 सिवनी मालवा के 11 बीएलओ द्वारा डोर टू डोर सर्वे में लापरवाही सामने आई है श्रीमती सरोज सिंह परिहार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सिवनी मालवा द्वारा सभी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

जिन बीएलओ द्वारा निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरती गई है उनमें श्रीमती पूर्णिमा चौरे मतदान केंद्र क्रमांक 230 नयागांव, राजेंद्र चौधरी मतदान केंद्र क्रमांक 287 केसला, दौलत राम सुनानिया मतदान केंद्र क्रमांक 211 मिसरोद, श्रीमती उषा बाथव मतदान केंद्र क्रमांक 58 भैरोपुर, पवन जाट मतदान केंद्र क्रमांक 31 गुराडिया जाट, शारदा दुबे मतदान केंद्र क्रमांक 278 सरादेह, श्रीमती कीर्ति पाल मतदान केंद्र क्रमांक 236 ढाबा कला, अखिलेश नायक मतदान केंद्र क्रमांक 287 केसला, चंद्रकांत मालवीय मतदान केंद्र क्रमांक 35 खपरिया, बहादुर रघुवंशी मतदान केंद्र क्रमांक 69 बानापुरा, तथा मुरलीधर कोटवाल मतदान केंद्र क्रमांक 209 रोझडा शामिल है। सभी बीएलओ को कार्यालय द्वारा दूरभाष पर संपर्क किया गया जिस पर सभी बीएलओ द्वारा कार्य करने में मना किया जाकर अपना मोबाइल नंबर निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर भी दर्ज नहीं कराया गया जिसके कारण निर्वाचन आयोग के अभियान दूर-डोर सर्वे एवं मतदाता सूची में दर्शित डीएसईके निराकरण न होने से निर्वाचन कार्य प्रभावित हुआ है। कारण बताओ सूचना पत्र में उल्लेख किया गया है कि निर्वाचन कार्य की प्रगति और आपका प्रतिवाद निर्धारित समय सीमा में समाधान कार्य नहीं पाए जाने पर आपकी मोन सुकृति मानकर माह सितंबर 2024 का वेतन रोके जाने के साथ ही आपके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु निलंबन प्रस्ताव प्रेषित कर दिया जाएगा जिसका संपूर्ण उत्तरदायित्व आपका रहेगा।

रेत के अवैध परिवहन किए जाने पर 2 डंपर जब्त किए गए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिले में अवैध उत्खनन,परिवहन,भण्डारण के विरूद्ध खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से एल कार्यवाही जारी है। तत्संबंध में खनिज विभाग नर्मदापुरम द्वारा ग्रीन पार्क ढाबा के पास नर्मदापुरम से रेत खनिज का अवैध परिवहन करते पाये जाने पर 02 वाहन ट्रक/डंपर क्रमांक एम.पी.40सी.टी. 1804 एवं एम.पी.40सी.डी.4601 को जप्त कर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय परिसर नर्मदापुरम की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़े किये गये। उक्त जप्त वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

केन्द्रीय जेल में महिला कैदियों के लिए ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण प्रारम्भ

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम में आयोजित महिला सशक्तिकरण केन्द्र अंतर्गत 100 दिवसीय जागरूकता अभियान के तहत जेल में बंद महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्तिकरण के लिये दिये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग सम्मिलित हुए।

महिला एवं बाल विकास विभाग नर्मदापुरम के सहयोग से जेल में बंद 30 महिलाओं को 10 सितम्बर से 25 सितंबर 2024 तक (15 दिवसीय) ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। ब्यूटीशियन श्रीमती नीलीमा बाथरे द्वारा महिलाओं को सौंदर्य से संबंधित विभिन्न विधाओं के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है, ताकि महिलाएं जेल से छूटने के बाद रोजगार शुरू कर सकें। एच0 के0शर्मा द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं को उक्त प्रशिक्षण-पत्र में अच्छे से ट्रेनिंग लेने, प्रशिक्षण के महत्व उसकी उपयोगिता, रोजगार के अवसर, आर्थिक उन्नयन, महिला सशक्तिकरण, समाज की मुख्यधारा से जोड़ने, बैंक से मिलने वाले ऋण, 01 जुलाई 2024 से लागू 03 नये कानून तथा विभाग द्वारा महिलाओं के लिये चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस अवसर पर एक पेड़ मों के नाम अभियान अंतर्गत जेल परिसर में पौधारोपण भी किया गया।कार्यक्रम में संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास एच0के0शर्मा, जेल अधीक्षक संतोष सोलंकी, सहायक संचालक वीपी गौर, जेल उप अधीक्षक प्रहलाद सिंह बरखड़े, जेलर हितेश बंडिया, प्रभारी प्रशासक वन स्टॉप सेंटर श्रीमती प्रतिभा वाजपेयी, ब्यूटीशियन श्रीमती नीलीमा बाथरे, सिटी मैनेजर श्रीमती दिव्या मिश्रा, डे एनयूएलएम आदि उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर महिला एवं बाल विकास परियोजना विभाग द्वारा नर्मदपुरम शहरी क्षेत्र में

आंगनवाड़ी केंद्र में किया गया पोषण आहार प्रदर्शनी व सुपोषण दिवस का आयोजन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

महिला एवं बाल विकास परियोजना नर्मदपुरम शहरी सेक्टर 1 के आंगनवाड़ी केंद्र 8 क्रमांक 3 पर पोषण माह व सुपोषण दिवस का

आयोजन किया गया। पोषण माह अंतर्गत द्वितीय सप्ताह गतिविधि का आयोजन कर वृद्धि माप सत्यापन निगरानी के महत्व पर संवेदिकरण सत्र, वृद्धि निगरानी अभियान, स्वस्थ बालक स्पर्धा, सेम/ मेम की पहचान, शहरी मलिन बस्ती आधारित वृद्धि निगरानी जानकारी दी गई। एक पेड़ माँ के नाम अंतर्गत केंद्र पर पौधारोपण किया गया।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत नव विवाहितों के साथ PCPNDT एक्ट पर चर्चा की गई। PMMVY हितग्राहियो से भी चर्चा कर उन्हें भी PCPNDT एक्ट के बारे में जानकारी दी गई।

मंगल दिवस अन्तर्गत माह के द्तीय मंगलवार को गोद भराई कार्य क्रम किया गया। सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती लता नागराज द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत PCPNDT एक्ट के बारे में जानकारी दी गई।

ANM श्रीमती शेख सलमा ने डेंगू व अन्य स्वास्थ्य सम्बंधी जानकारी दी कार्यक्रम में सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती लता नागराज, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शहनाज़ बनो, सुश्री शबनम व श्रीमती दुर्गा पटेल महिला स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता, आशा कार्यकर्त्ता श्रीमती माया चौकसे, वार्ड की महिलाएं, किशोरी बालिकायें, बच्चे उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पोषण माह के तहत हुई गोद भराई

इटारसी। महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह के चलते मंगलवार को मंगल दिवस गोद भराई का आयोजन वार्ड 18 में विशेष रूप से किया गया। वार्ड की पार्षद एवं जल सभापति श्रीमती गीता पटेल अटल बाल पालक श्रीमती राखी दुबे उपस्थित रही द्य प्रभारी परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती दीप्ति शुक्ला जी द्वारा 1 सितंबर से 30 सितंबर तक मनाया जा रहे, राष्ट्रीय पोषण मा अंतर्गत पोषण आहार संबंधी जानकारी विस्तृत रूप में देते हुए प्रतिदिन भोजन में समस्त पौष्टिक तत्व शामिल करते हुए समय संतुलित आहार लेने हेतु समस्त जानकारी उपस्थित महिलाओं को दी गई एवं विभाग की योजनाएं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडली लक्ष्मी योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अन्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गईद्य द्य पार्षद श्रीमती गीता पटेल द्वारा जल संरक्षण एवं जल संचयन के विषय में जानकारी दी गई कि जल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है इसे स्वच्छ और सहेज कर रखना हमारे लिए बहुत जरूरी है। 7 महिलाओं की गोदभराई की गई,पोषण प्रदर्शनी लगाई गई द्य सभी गर्भवती महिला एवं अन्य सभी को राष्ट्रीय पोषण माह एवं आने वाले बच्चों के लिए शुभकामनाएं दी गई । कार्यक्रम में वार्ड की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आरती राजपूत, शीला , राधा मालवीय, किरण सहगल,कल्पना पटेल, फेमिदा खान सहायिका ललिता मस्की, पार्वती संगीता उपस्थित रही ।

राहत की बरसात होने से गर्मी से मिली निजात

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

अच्छी बरसात नहीं होने के कारण गर्मी कम होने का नाम नहीं ले रही है। मंगलवार को गर्मी के कारण लोगों की हालत खराब हो रही थी दोपहर के बाद मौसम हुए बदलाव के बाद शाम के समय 30 मिनट तक अच्छी बारिश होने से सड़कों पर जहां पानी ही अपनी नजर आ रहा था वही गर्मी के कारण उमस से परेशान हो रहा है लोगों को भी काफी राहत मिल गई मौसम में ठंडा होने से भी राहत मिल गई। नहीं तो गर्मियों के कारण परेशानी हो रही थी मौसम में लगातार हो रहा है बदलाव के कारण मौसमी बीमारियां भी तेजी से पर पासरी रही है दूसरी ओर दूसरी निचली बस्तियों की सड़कों पर घुटनों घुटनों पानी दिखाई दे रहा था क्योंकि पानी निकासी के इंतजाम नहीं होने से ऐसे हालात बने। बरसात होने से डेम के जलस्तर में भी मामूली वृद्धि हुई है। इसी तरह की बारिश आगे होती रही तो जलस्तर में भर्ती हो जाएगी लोगों गर्मी से मुक्ति मिल पाएगी अभी तापमान में लगातार परिवर्तन होने के कारण परेशानी हो रही है।

स्वावलंबी भारत अभियान ने किया प्रतिष्ठित उद्यमियों का सम्मान विद्यार्थियों को बताया पढ़ाई के साथ स्किल डेवलपमेंट है जरूरी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शहर के बृज मेमोरियल हायर सेकेंडरी स्कूल में स्वदेशी जागरण मंच ने स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत विश्व उद्यमिता दिवस के उपलक्ष्य में उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन कार्यक्राम का आयोजन किया। इस अवसर पर शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं उद्यमी प्रशांत पालीवाल, अमन गर्ग, मोहित रघुवंशी, ब्रजमोहन धाकड़ का शाल श्री फल एवं सम्मान पत्र देकर विद्यालय प्राचार्य मेघराज शर्मा ने सम्मान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उद्यमी प्रशांत पालीवाल ने कहा कि कोई भी कार्य बिना लगन और मेहनत के नही हो सकता, कठिन परिश्रम से ही आपको सफलता प्राप्त होती है। वही युवा उद्यमी व्यवसाई एवं कृषक मोहित रघुवंशी ने अपने विचार व्यक्त की इस दौरान अभियान के जिला प्रचार प्रमुख प्रमोद रघुवंशी ने संचालन किया वहीं आभार जिला सहसंयोजक चरण सिंह ने जताया। इस दौरान स्कूल स्टाफ और विद्यार्थी मौजूद रहे।

चार लाख रूपए की आर्थिक मदद जारी

सिरोंज। बेतवा नदी के बंगला घाट में पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने पर एक आर्थिक सहायता के प्रकरण में चार लाख रूपए की मदद उप खण्ड अधिकारी विदिशा के द्वारा जारी की गई है। आरबीसी 6(4) के तहत जारी आर्थिक मदद के आदेश में उल्लेख है कि करैयाखेडा रोड निवासी अंकित पुत्र देवी सिंह अहिरवार की मृत्यु बंगला घाट पर बेतवा नदी में हो जाने से मृतक के पिता देवी सिंह पुत्र हल्कई अहिरवार को नियमानुसार चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता जारी की गई है।

एसडीएम की समीक्षा में नगर पालिका की खुली पोल

500 परिवारों का जिओ टेक नहीं होने से नहीं मिल पाई अंतिम किस्त

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका परिषद में जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण लगभग 500 परिवारों आवास योजना की अंतिम किस्त की राशि पाने के लिए कई सालों से चक्कर लगा रहे हैं। इनकी लापरवाही की पोल भी एसडीएम हर्षल चौधरी के द्वारा नगर पालिका कार्यालय में हितग्राहियों को बुलाकर उनके सामने जिओ ट्रैकिंग करने वाले इंजीनियर तथा नगर पालिका अमले को बिठाकर समीक्षा करवाई जा रही है तो सिस्टम की लापरवाही भी खुलकर सामने आ रही है। मंगलवार को लगभग 348 पात्र हितग्राही पाएगा जिनके द्वारा संपूर्ण कार्य कर लिया है बस जिओ ट्रैकिंग होना बाकी है । इनके द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना में संपूर्ण कार्य करवा लिया पर जिओ ट्रैकिंग नहीं होने के कारण अंतिम किस्त का भुगतान नहीं हो पा रहा है। जब एसडीएम ने जिओ ट्रैकिंग करने वाले इंजीनियर से सवाल किया तो वह बगले झांकते हुए नजर आए यह आंकड़ा 15 वार्डों की समीक्षा का है यदि सभी 21 वार्डों की बात की जाए तो लगभग 500 लोगों संपूर्ण कार्य होने के बाद भी अंतिम किस्त की राशि प्राप्त करने

के लिए परेशान हो रहा है शिकायतें कर रहे है। एसडीएम ने तीन दिवस के अंतर्गत जिओ टेक कंपनी के इंजीनियर को जिओ टेकिंग करके एम् आई एस रिपोर्ट बनाकर देने के लिए निर्देशित किया गया है। एसडीएम श्री चौधरी ने बताया हमारा प्रयास है कि पत्र हितग्राहियों को 10 दिनों में अंतिम किस्त की राशि का भुगतान डलवा देंगे दूसरी ओर उन्होंने ऐसे परिवारों से भी कहा कि जिनके आवास बनकर कंप्लीट हो गए हैं पर पुताई का काम या प्लास्टर होना बाकी है वहां लोग भी उक्त कार्य को करवा ले जिससे की अंतिम किस्त की राशि का भुगतान ऐसे परिवारों के खातों में भी पहुंच सके इसके अलावा पांच हितग्राहियों की मृत्यु हो चुके हैं उनके आवासों को पत्नी या बच्चों के नाम परिवर्तन करके राशि दिलवाने की बात भी कई। यह सब कार्रवाई विधायक के निर्देश पर प्रारंभ हुई है क्योंकि दिनों विधायक उमाकांत शर्मा की मौजूदगी में लगाए गए शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने आवास की राशि नहीं मिलने की शिकायत की थी।

इनका कहना है -

अभी 15 वार्डों की समीक्षा की इसमें 348 ऐसे मिले हैं जिनको अंतिम किस्त का भुगतान हो जाना चाहिए था जिओ ट्रैकिंग नहीं होने से नहीं हो पाया है बाकी कुछ ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने पुताई और प्लास्टर का काम नहीं करवाया यहां लोग जल्दी इस काम को करवा ले तो उनके खातों में भी अंतिम किस्त की डलवाने की कार्रवाई शीघ्र हो जाएगी।

***हर्षल चौधरी**, एसडीएम*

हलाली डेम के तीन गेट खोले गए

विदिशा। जिले के बांधो के केचमेंट एरिया में रेनफॉल होने और कैचमेंट में इनफ्लो होने से डेमो के जल स्तर का लेबल बढ़ा है। सम्राट अशोक सागर (हलाली डेम) के कार्यपालन यंत्री श्री रमेश चैहान ने बताया कि हलाली में शत प्रतिशत जल भराव हो जाने पर जल स्तर को नियंत्रित करने के लिए मंगलवार दस सितम्बर की दोपहर 12 बजे बांध के तीन गेट आधे मीटर ऊंचाई में खोले गए है जिससे लगभग 131 क्यूमेक्स डिस्चार्ज पास होगा। आवश्यकता पडने पर गेटो की हाईट और अधिक बढाई जा सकती है। कार्यपालन यंत्री श्री चैहान ने बताया कि हलाली डेम के गेट खोले जाने की सूचनाएं जल बहाव क्षेत्रो के ग्रामो में मुनादी के माध्यम से सूचित किया गया है गौरतलब हो कि हलाली नदी, बैस नदी, बेतवा नदी के दोनो किनारो से दूरी बनाए रखने का अनुरोध आमजनों से किया गया है। संजय सागर बाहय परियोजना की कार्यपालन यंत्री श्रीमती प्रियंका भण्डारी ने बताया कि संजय सागर बाहय डेम का लेबल केचमेंट क्षेत्र में हो रही वर्षा के कारण इनफ्लो बढने के फलस्वरूप गेट खोले जाने की परिस्थितियां बन रही है इस कारण से जल बहाव क्षेत्र के निचले इलाको को सूचित किया गया है कि वे नदी तट से दूरी बनाए रखे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर आयोजित हुए कई कार्यक्रम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर आज मंगलवार को जिले में विभिन्न जगह एक साथ कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था जिसमें

अतिथियों व अधिकारियों के द्वारा एक से 19 आयुवर्ग तक के बच्चों को कृमि मुक्ति हेतु ऐल्बेंडाजॉल की गोली अपने हाथों से खिलाई है।

जिला मुख्यालय पर उक्त कार्यक्रम शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित किया गया था। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें कृमि नाश्क गोली के महत्व और उपयोगिता पर आधारित जानकारियां सहज, सरल तरीको से बताई हैं उन्होंने कहा कि कृमि हो जाने से शारीरिक विकास में अवरूद्धता उत्पन्न हो सकती है अतः अभियान के दौरान कृमिनाश्क दवा का सेवन जरूर करें इसी प्रकार उन्होंने आयरन टेबलेट को भी ग्रहण करने की बात कही है। सरकार द्वारा स्कूलों में भी बच्चों को कृमिनाशक दवा खिलाने की पहल की गई है। निश्चित ही यह अच्छी बात है कि कोई भी विद्यार्थी शारीरिक और बौद्धिक रूप से कमजोर ना हो से बचावो के उपायो से अवगत कराया गया है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के द्वारा अभियान का शुभारंभ विद्यार्थियों को ऐल्बेंडाजॉल की गोली अपने हाथों से खिलाकर किया गया है।

शासकीय माध्यमिक शाला सुल्तानिया में शाला प्रभारी ताहिर इकबाल द्वारा बच्चों को अपने हाथों से कृमिनाशक गोली का वितरण कर खिलाई एवं इसके लाभ से बच्चों को अवगत कराया। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ डीके शर्मा ने बताया कि जिले में एक से 19 आयुवर्ग के कुल 5 लाख 63 हजार 978 बच्चे हैं जिन्हें कृमिनाशक गोली खिलाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कुल बच्चों में एक से पांच आयुवर्ग के 134066 तथा छह से 19 आयुवर्ग के 429912 शामिल हैं। जिले के सभी शासकीय व प्रायवेट स्कूलों के साथ-साथ समस्त आंगनबाड़ी 2371 आंगनबाड़ी केन्द्रों के साथ-साथ सभी स्कूलों में स्वास्थ्य अमले के माध्यम से बच्चों को कृमिनाशक गोली एल्बेंडाजॉल खिलाई जा रही है।

अमृत 2.0 योजना के कार्यों का विधायक ने किया निरीक्षण

सिरोंज। शासन द्वारा अमृत 2.0 योजना अंतर्गत नगर पालिका सिरोंज को 17 करोड़ की राशिस्वीकृत की गई है। जिसका कार्य उत्सव इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड गुजरात द्वारा किया जाना है। संबंधित ठेकेदार द्वारा कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिसमें प्रथम चरण में डिजाइन एवं सर्वे किया जा रहा है। सोमवार को कार्य का निरीक्षण विधायक उमाकांत शर्मा, एसडीएम हर्षल चौधरी, नगर लिए पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू एवं अन्य जल प्रदाय के अमले के साथ किया गया। बताया गया कि योजना के अंतर्गत दो ओवरहेड टैंक का निर्माण किया जाना है। जिसमें एक जटाशंकर मंदिर के पास 27 लाख लीटर क्षमता एक टंकी अलीगंज पहाड़ पर 9 लाख लीटर क्षमता की बनाई जानी है। साथ ही पूरे शहर में पानी सप्लाई करने के डिस्ट्रीब्यूशन लाइन डाली जाएगी, जो गली मोहल्ले छूट गए हैं। वह इस योजना अंतर्गत पूर्ण किए जाएंगे और वाटर सप्लाई से जोड़े जाएंगे। योजना में पुराने इंटकवैल पर 50 एचपी की दो मोटर स्थापित की जाएंगी। एक नया फिल्टर प्लांट भी 3.5 एमएलडी क्षमता का जल संयंत्र के पास बनाया जाएगा। विधायक ने कम्पनी को इस कार्य को गुणवत्ता पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू और प्रशासनिक अमला मौजूद रहा।

संगठन पर्व अंतर्गत गेहूंखेड़ी पहुंचे विधायक शर्मा, दिलाई सदस्यता

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

भाजपा के संगठन पर अंतर्गत सदस्यता अभियान जोरो पर चल रहा है इसी को लेकर मंगलवार को विधायक उमाकांत शर्मा ग्राम गेहूंखेड़ी पहुंचे जहां उन्होंने पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से चर्चा की तथा नए सदस्यों को पार्टी की महत्वपूर्ण योजनाओ एवं रीति नीति से अवगत कराया एवं स्वयं के मोबाइल से नए व्यक्तियों को पार्टी की सदस्यता दिलाई, एवं नवीन सदस्यों का उत्तरीय उड़कर स्वागत किया एवं उन्हें बधाई दीं जिसमें उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है एवं हमें गर्व है कि हम इस पार्टी के सदस्य हैं साथ ही कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्रमार्ग पर चलने वाले एक-एक व्यक्ति को भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बनाएं, एवं उन्हें भाजपा की रीति नीति से अवगत कराये जब भाजपा कार्यकर्ता लोगों को पार्टी का सदस्य बनाने के लिए घर-घर संपर्क करें तो भाजपा सरकार की उपलब्धियां बताएं और उन्हें एहसास दिलाएं कि भाजपा सरकार गरीबों के आंसू पोंछने का कार्य कर रही है इस अवसर पर देवपुर मंडल अध्यक्ष झार सिंह दांगी, नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

कार्यकर्ता सदस्यता अभियान में रचेंगे इतिहास – विधायक उमाकांत शर्मा ने बताया कि इस सदस्यता अभियान के तहत संपूर्ण देश के कार्यकर्ता जुड़े हैं। 8800002024 नंबर पर मिस्ड कॉल एवं दूसरे विकल्प में क्यू आर कोड को स्कैन करने की सुविधा दी गयी है. नए लोग नमो एप और वेबसाइट बीजेपी डॉट ओआरजी के माध्यम से भी सदस्यता ले सकते है साथ ही उन्होंने कहा कि बूथ स्तर के कार्यकर्ता शक्ति केंद्र प्रभारी पार्टी पदाधिकारी सभी लोग इस अभियान को गति देने में लगे साथ ही अनेकों लोग स्वयं भी मिस्ड कॉल के माध्यम से पार्टी के सदस्य बन रहे हैं और इस बार हम इस अभियान में नए इतिहास को रचेंगे वही इस बार भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश में सदस्यता अभियान का लक्ष्य ज्यादा रखा है मध्य प्रदेश बीजेपी के सामने डेढ़ करोड़ नये सदस्य बनाने का टारगेट है।

मेट्रो एंकर नगर पालिका गंभीरता से नहीं दे रही ध्यान, मिल रहे है डेंगू के मरीज

खाली प्लाट्स में भरी गंदगी में डेंगू का लर्वा हो रहा है जमा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर में डेंगू के तीन मरीज सामने आ चुके हैं इसके बाद भी प्रशासन के द्वारा इसकी रोकथाम के लिए धरातल पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है । जिम्मेदारों की लापरवाही आम जनता के लिए महंगी भी पड़ सकती है एक बार डेंगू ने पर जमा लिए तो रोक पाना मुश्किल हो जाएगा एक बार पहले भी प्रशासन की लापरवाही आम जनता को महंगी पड़ चुकी है। कुछ दिनों में ही डेंगू के तीन मरीज मिल चुके हैं एक मरीज सोमवार को भी पॉजिटिव आ चुका है इसकी जानकारी होने के बाद भी उचित कदम नहीं उठाया जा रहे हैं, डेंगू के जो पॉजिटिव मामले आए हैं यह तो सरकारी अस्पताल से प्राप्त हुए हैं वहीं कहीं ऐसे मरीज भी हो सकते हैं जिनके द्वारा डेंगू होने पर प्राइवेट में उपचार करवाया जा रहा है उनकी संख्या का तो पता ही नहीं चल पा रहा है।

खाली प्लाटो में मच्छरों की भरमार

शहर में अबैध कॉलोनी की संख्या ज्यादा होने के कारण यहां पर पानी निकासी के इंतजाम नहीं इस वजह से गंदा पानी भी यहां जमा हो रहा है बरसात का पानी भी नहीं निकल पा रहा है इस कारण से इन क्षेत्रों में डेंगू फैलने का खतरा सबसे ज्यादा है इन कॉलोनी में पड़े खाली प्लाटों में कई दिनों से बारिश का पानी जमा होने के कारण डेंगू लव जमा हो रहा है मच्छरों की संख्या अधिक होने से टाइफाइड के मामले भी ज्यादा आ रहा है। उसको नष्ट करने के लिए नगर पालिका प्रशासन के द्वारा समय रहते धरातल पर कार्य नहीं किया जा रहा है । डेंगू के मामले सामने आने के बाद अस्पताल से लावा को नष्ट करने वाली दवा थोड़ी सी लेकर कुछ जगह छिड़काव करके खानापूर्ति पूर्ति कर दी गई है जबकि शहर में बड़ी मात्रा में खाली प्लाटों में गंदगी भरी हुई है उसमें पनप रहे मच्छर तथा लावा को नष्ट करने के लिए दवा का छिड़काव गंभीरता से नहीं हो रहा है इस वजह से डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं समय रहते ठोस कदम नहीं उठाएगी यह तो और भी गंभीर परिणाम नगर वासियों को झेलना पड़ सकते हैं जिले में वैसे ही तेजी से डेंगू पैर पसार रहा है नगर में भी मामले में वृद्धि हो रही है। उस हिसाब से नगर पालिका के अमले को धरातल पर जिन-जिन कॉलोनी में खाली प्लाटों में बरसात का पानी और गंदगी जमा हो रही है उसको निकलवाने या फिर डेंगू के लावा को मिटाने के लिए युद्ध स्तर पर काम करना होगा अभी जो दवाई अस्पताल से ली गई थी वह बहुत कम मात्रा में थी उससे कुछ होने वाला नहीं है डेंगू के लावा को नष्ट करने के लिए नगर पालिका प्रशासन को भी अपनी तरफ से दवा खरीद उसका छिड़काव करना चाहिए जिससे कि डेंगू का लावा नष्ट हो सके यदि उसने पर फैला लिए तो इसकी रोकथाम करना भी मुश्किल हो जाएगा एक बार हालात बिगड़ चुके हैं फिर भी उनसे सीख लेते हुए जिम्मेदार नजर नहीं आ रहा है वैसे इन दिनों मौसम बीमारियों का प्रकोप भी तेजी से फैल रहा है सर्दी जुकाम से लेकर उल्टी दस्त और बुखार के मामले बहुत ज्यादा हमारा है इस बार का बुखार इतना तेज आ रहा है कि वह कहीं घंटे तक उतरता भी नहीं है यह सब खाली प्लाटों में जमा हो रही गंदगी में पनप रहे मच्छरों के कारण हो रहा है ।दूसरी ओर जिनके घरों में छात्रों और पुरानी टंकियां आदि पर बरसात का पानी जमा हो रहा है तो वह लोग भी उस पानी को निकाल दें कबाड़ा भी खाली कर दें क्योंकि गंदगी जगह जहां होती है वहीं पर डेंगू का अलावा पनपता है।

इनका कहना है -

डेंगू के अब तक तीन मामले सामने आ चुके हैं सभी सतर्कता से रहें फुल कपड़े पहने मच्छरदानी का उपयोग करें बुखार आने पर तत्काल डॉक्टर को दिखाएं जांच और उपचार की पुरी व्यवस्था की गई लावा नष्ट करने की कुछ दवा हमने दे दी थी नगर पालिका को।

***विकास सिंह बघेल** बीएमओ सिरोंज*

शहर में जितनी भी जगह खाली प्लाटो में गंदगी और बरसात का पानी जमा हो रहा है वहां पर डेंगू का लावा नष्ट करने के लिए दवा डलवाने का कार्य करवा रहे हैं।

***रामप्रकाश साहू** प्रभारी सीएमओ*

डेंगू के अब तक 2609 सेम्पल लिए गए

सिरोंज। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में जिले के नागरिको को डेंगू से

बचाव के उपायो, सुरक्षा तथा रोगग्रस्त हो जाने पर उपचार की जानकारियां स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से दी जा रही है। चिन्हित क्षेत्रो में हर रोज सेम्पल लेने के निर्देश जिला मलेरिया अधिकारी को दिए गए है। अभी तक 7584 घरो में लार्वा का सर्वे किया गया है जिसमें से 489 घरो में लार्वा पॉजिटिव पाया गया है जबकि ततसंबंध में मंगलवार दस सितम्बर को संपादित किए गए कार्य तदानुसार 203 घरो में मंगलवार को लार्वा की जांच की गई जिसमें से 21 घरो में लार्वा पाजिटिव पाया गया है। सेम्पल व जांच-स्वास्थ्य विभाग के द्वारा मलेरिया व डेंगू पर नियंत्रण के लिए सतत जनजागरूकता कार्यक्रमो के साथ-साथ सेम्पल एवं जांच का भी कार्य समानांतर संपादित किया जा रहा है जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि जिले में डेंगू के लिए 2609 सेम्पल लिए गए है जिसमें से अब तक 202 पॉजिटिव पाए गए है। उनमें से आज दिनांक तक 193 मरीज पूर्ण स्वस्थ हो चुके है। दस सितम्बर को मलेरिया विभाग के माध्यम से 79 सेम्पल लिए गए थे जिसमें से सात सेम्पल पॉजिटिव पाए गए।

2026 एशियाड में नहीं होगा खेल गांव होटल और क्रूज में रहेंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली. एजेंसी

जापान के आइची-नागोया प्रांत में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों में खेल गांव नहीं होगा और खिलाड़ियों को होटलों तथा क्रूज जहाजों में ठहराया जाएगा। एशियाई खेलों में यह पहली बार होगा जब खिलाड़ियों के लिए कोई खेल गांव नहीं होगा। एशिया ओलंपिक परिषद की 44वीं आम सभा के दौरान जापान ओलंपिक समिति के पूर्व अध्यक्ष त्सुनेकाजू ताकेदा ने बताया कि आइची प्रांत और नागोया शहर में होने वाले आयोजन में कोई खेल गांव नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने कहा, हमने होटलों के अलावा 4,000 एथलीटों और अधिकारियों के लिए क्रूज जहाजों की व्यवस्था की है।

दो प्रांतों में खेलों का आयोजन: ताकेदा ने खेलों की तैयारियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा, हमारे पास खेल गांव नहीं होगा क्योंकि खेल दो प्रांतों में आयोजित किए जाएंगे। इसके बजाय हम एथलीटों और गणमान्य व्यक्तियों को होटलों और क्रूज जहाजों में ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। एशियाई खेलों की मेजबानी करना बड़े गर्व की बात है। अलग-अलग प्रांत में होने से दो जगह खेल गांव बनाना संभव नहीं है।

कुवैत व फिलिस्तीन ने जताई चिंता: ताकेदा का यह विचार हालांकि कुवैत और फिलिस्तीन जैसे कई ओसीए सदस्यों को पसंद नहीं आया, जिन्होंने चिंता जताई और कहा कि ऐसा कदम खेलों की भावना के अनुरूप नहीं होगा। इन देशों के अलावा नवनिर्वाचित ओसीए अध्यक्ष रणधीर सिंह भी इस विचार से खुश नहीं हैं।

टीम व व्यक्तिगत स्पर्धाओं में कम होगी भागीदारी- ओसीए अध्यक्ष

ओसीए अध्यक्ष रणधीर सिंह ने संकेत दिया कि हम टीम के साथ-साथ व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भागीदारी की संख्या कम करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पिछली बार 40 खेलों में 15,000 एथलीटों ने भाग लिया था। पिछली बार फुटबॉल में 32 टीमें थीं लेकिन इस बार हम इस संख्या को शीर्ष आठ टीमों की तरह सीमित करना चाहेंगे। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत आयोजनों में भी ऐसा होगा। हमें संख्याओं को सीमित करने की आवश्यकता है। एक देश से दो या तीन से अधिक प्रतिनिधित्व नहीं हो सकते।

4 टॉप रैंक खिलाड़ियों के हटने से क्वालिफाई किया, 13 को इवेंट होगा

अविनाश साबले पहली बार डायमंड लीग फाइनल खेलेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत के मिडिल डिस्टेंस रनर अविनाश साबले पहली बार डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा लेंगे। वे इस लीग के फाइनल में जगह बनाने वाले दूसरे भारतीय हैं। उनसे पहले नीरज चोपड़ा इस इवेंट में हिस्सा ले चुके हैं। 29 साल के अविनाश 3000 मीटर टीपलचेज इवेंट में भारतीय चुनौती पेश करेंगे। उनका इवेंट शुक्रवार, 13 सितंबर को होगा। साबले ने इस सीजन में डायमंड लीग के 5 में से 2 इवेंट में हिस्सा लिया है और टेबल में 3 अंक के साथ तालिका में 14वें स्थान पर थे। लेकिन, उनसे ज्यादा रैंकिंग वाले 4 एथलीट्स ने नाम वापस ले लिया। इससे साबले 12 खिलाड़ियों वाले फाइनल के लिए क्वालिफाई हो गए। स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज इस सीजन के फाइनल के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुके हैं। 2 दिनी डायमंड लीग फाइनल का आयोजन ब्रसेल्स में होने जा रहा है। इसे जीतने वाले एथलीट को प्रतिष्ठित डायमंड ट्रॉफी, 30,000 डॉलर की इनामी पुरस्कार राशि और वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप की वाइल्ड कार्ड एंट्री का कार्ड मिलता है। जबकि उपविजेता को 12,000 डॉलर और 8वें स्थान पर रहने वाले को 1000 अमेरिकी डॉलर मिलते हैं।

डायमंड लीग फाइनल में भारतीय एथलीट के मुकाबले

अविनाश साबले : 13 सितंबर को मेंस 3000 मीटर स्टीपलचेज इवेंट में हिस्सा लेंगे।

नीरज चोपड़ा : 14 सितंबर को मेंस जेवलिन थ्रो इवेंट में हिस्सा लेंगे।

पेरिस में छठा स्थान हासिल किया था

पेरिस में अपना ही नेशनल रिकॉर्ड बेहतर किया इस सीजन में डायमंड लीग के 14 इवेंट में से 5 में पुरुषों का 3000 मीटर स्टीपलचेज इवेंट था। साबले ने 7 जुलाई को डायमंड लीग के पेरिस चरण में 8:09.91 मिनट के समय के साथ छठा स्थान हासिल किया था। उन्होंने अपने ही नेशनल रिकॉर्ड में सुधार किया। वे 25 अगस्त को सिलेसिया चरण में 14वें स्थान (8:29.96 मिनट) पर थे। पेरिस ओलिंपिक के फाइनल तक पहुंचे थे साबले साबले पेरिस ओलिंपिक में मेंस 3000 मीटर स्टीपलचेज इवेंट के फाइनल पहुंच गए थे, लेकिन वे अपने प्रदर्शन से प्रभावित नहीं कर सके। पेरिस ओलंपिक में वह 8:14.18 मिनट के समय के साथ निराशाजनक 11वें स्थान पर रहे थे। नीरज 15 अंक के साथ क्वालिफाई हुए 5 दिन पहले डबल ओलिंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने ओवरऑल टेबल में चौथे स्थान पर रहते हुए डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। उन्होंने दोहा और लुसाने में आयोजित एकदिवसीय मुकाबलों में प्रत्येक में दूसरे स्थान पर रहने से 14 अंक अर्जित किए।

45वां शतरंज ओलंपियाड आज से शुरू भारतीय टीमों की नजरें पदक जीतने पर

बुडापेस्ट. एजेंसी

डी हरिका और आर वैशाली की अगुवाई वाली शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय महिला टीम बुधवार से यहां शुरू होने वाले 45वें शतरंज ओलंपियाड में पोडियम पर पहुंचने की मजबूत दावेदार होगी जबकि डी गुकेश की अगुवाई वाली पुरुष टीम से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। कोनेरू हम्पी इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रही हैं लेकिन इससे भारत की संभावनाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए क्योंकि वैशाली ने हाल में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है।

हरिका होंगी शीर्ष बोर्ड पर

हम्पी की गैरमौजूदगी में शीर्ष बोर्ड पर ग्रैंडमास्टर डी हरिका होंगी। अन्य बोर्ड पर वैशाली, दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल अपनी चुनौती पेश करेंगी। तानिया सचदेव को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में चुना गया है लेकिन उन्हें भी कुछ मैच में उतारा जा सकता है।

मेट्रो बाजार

एसजीबी पूरी तरह बंद करने की घोषणा इसी माह कर सकती है सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) के जरिए 15,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना टाल सकती है। सूत्रों ने कहा कि इससे देश के राजकोषीय घाटे में 0.05 फीसदी की कमी आने का अनुमान है। साथ ही केंद्र सरकार एसजीबी की बिक्री हमेशा के लिए बंद कर सकती है। सरकार इसका फैसला इस महीने के अंत तक आरबीआइ के साथ बैठक करने के बाद ले सकती है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2024-25 के आम बजट में एसजीबी जारी करने के लक्ष्य को 38 फीसदी घटा दिया था। अब सरकार इसे पूरी तरह बंद कर सकती है। एसजीबी बंद होने की अटकलों से शेयर बाजार में ट्रेड होने वाले एसजीबी गोल्ड के मार्केट प्राइस से 9 फीसदी से 13 फीसदी तक अधिक कीमत पर ट्रेड कर रहे हैं। इसके बावजूद निवेश सलाहकार एसजीबी को पोर्टफोलियो डायवर्सिफिकेशन के लिए बेहतर बता रहे हैं। क्वांटम एएमसी के चिराग मेहता ने कहा, एसजीबी मेंकम लागत, चोरी होने का खतरा नहीं और सालाना 2.5 फीसदी ब्याज मिलता है। एसजीबी गोल्ड में निवेश का बेस्ट तरीका है।

...तो बढ़ेंगे एसजीबी के दाम: सेकेंड्री मार्केट में लिस्टेड एसजीबी बीएसई और एनएसई के कैश सेगमेंट में ट्रेड के लिए उपलब्ध हैं। निवेशक इन्हें डीमैट अकाउंट के जरिए खरीद और बेच सकते हैं। नया इश्यू न आने की स्थिति में इन बॉन्ड की मांग बढ़ने की संभावना है और गोल्ड के रेफरेंस प्राइस के मुकाबले एसजीबी की कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है।

आयात बढ़ने की संभावना से तुअर, उड़द व चने में गिरावट

इंदौर, एजेंसी

सरकार ने त्योहारी महीनों में दलहन की कीमतों को नियंत्रण करने किए आयात बढ़या है, जिससे तुअर, उड़द और चने की कीमतों में गिरावट आई है। सूत्रों का कहना है कि दिसंबर तक ऑस्ट्रेलिया से 10 से 15 लाख टन देसी चना का आयात होने की संभावना है। म्यांमार से लगभग 4 लाख टन उड़द और 3 लाख टन तुवर का आयात किया गया है, जबकि मोजाबिक जैसे अफ्रीकी देशों से आयात शुरू हो चुका है। व्यापारियों के अनुसार मोजाम्बिक से तुवर के 30 हजार टन के दो जहाज भारतीय बंदरगाहों पर पहुंच चुके है। वहीं किराना बाजार में खोपरा गोला व खोपरा बूरा के भाव में मजबूती रही। चने के भाव कम होने से बेसन में नरमी आई। बेसन 5050 रुपए प्रति 50 किलो बोरी बिका। शकर में उठाव कमजोर रहा।

खिताब का बचाव नहीं कर सका भारत

हैदराबाद. एजेंसी

सीरिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सोमवार को पहली बार इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2024 अपने नाम कर लिया। उसने 2018 और 2023 की चैंपियन भारतीय टीम का खिताबी हैट्रिक बनाने का सपना तोड़ दिया। सीरिया ने फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम को 3-0 से करारी शिकस्त दी। सीरिया की ओर से महमूद अल असवाद ने 7वें, दालेहो ईरानदुस्त ने 76वें और पाब्लो सब्बाग ने 90+6वें मिनट में गोल दागे। वहीं कई मौके बनाने के बावजूद भारतीय टीम गोल नहीं कर सकी।

जापान को 5-1 से दी करारी शिकस्त भारतीय हॉकी टीम की दूसरी जीत

हुलुनबुइर. एजेंसी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने जीत के क्रम को बरकरार रखते हुए एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के अपने दूसरे मुकाबले में जापान को 5-1 से करारी शिकस्त दी। भारत की ओर से सुखजीत सिंह ने दूसरे और 60वें मिनट में गोल दागे, जबकि अभिषेक ने तीसरे, संजय ने 17वें और उत्तम सिंह ने 54वें मिनट में गोल किया। काजुमासा मात्सुमोतो ने जापान के लिए एकमात्र गोल 41वें मिनट में किया।

आज मलेशिया से सामना

अब भारतीय टीम हरमनप्रीत सिंह की अगुआई में बुधवार को गत उपविजेता मलेशिया से भिड़ेगी। वहीं, सोमवार को एक अन्य मैच में कोरिया ने पाकिस्तान को 2-2 से बराबरी पर रोका।

चहल के प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 100 विकेट पूरे

नॉर्थम्पटन. एजेंसी

भारत के अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप के डिवीजन दो मैच में डर्बीशायर के खिलाफ नॉर्थम्पटनशायर के लिए 45 रन देकर पांच विकेट चटकाए। भारत के सीमित ओवर प्रारूप के विशेषज्ञ गेंदबाज ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 100 विकेट पूरे किए। चहल ने तीसरी बार प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पांच विकेट चटकाए हैं। उनकी गेंदबाजी से डर्बीशायर की टीम पहली पारी में 165 रन पर सिमट गई।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

'सिकंदर' में सलमान-रश्मिका के बाद जुड़ा एक्ट्रेस काजल अग्रवाल का नाम

फिल्म सिकंदर की शूटिंग लगातार जारी है। फिल्म में सलमान खान मुख्य भुमिका में नजर आएंगे। वहीं सलमान के साथ इस फिल्म में रश्मिका मंदाना नजर आ सकती हैं। वहीं अब एक और अभिनेत्री का नाम सामने आया है, जो अब फिल्म सिकंदर से जुड़ गई हैं। जानिए कौन हैं वह अभिनेत्री, जो भाईजान के साथ फिल्म सिकंदर में नजर आने वाली हैं। इन दिनों सलमान खान अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म की घोषणा सलमान ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए की थी। सिकंदर अब इस साल की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बन गई है। प्रशंसक शूटिंग और नए कलाकारों के जुड़ने से जुड़े अपडेट का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साजिद नाडियाडवाला प्रोडक्शन की इस फिल्म में सलमान और रश्मिका मंदाना के साथ अब एक और अभिनेत्री शामिल हो गई हैं। अभिनेत्री काजल अग्रवाल सिकंदर में शामिल हो गई हैं। वह सलमान खान, रश्मिका मंदाना, सत्यराज और प्रतीक बब्बर जैसे स्टार कलाकारों के साथ एक महत्वपूर्ण भूमिका में शामिल होंगी। उनके किरदार के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

'सिंघम' का हिस्सा रह चुकी हैं काजल: बता दें, काजल अग्रवाल अधिकतर तेलुगु और तमिल में नजर आती हैं। काजल बॉलीवुड की फिल्म सिंघम में नजर आ चुकी है। इसके अलावा काजल फिल्म स्पेशल 26 जैसी फिल्मों में भी बेहतरीन काम से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। सिंघम में काजल, अजय देवगन के साथ नजर आई थीं, वहीं स्पेशल 26 में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हुई थी।

सिकंदर में सलमान का किरदार: एआर मुरुगदास के निर्देशन में बन कर तैयार होने वाली सिकंदर में सलमान खान एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाएंगे, जो गलत के साथ गलत और सही के साथ सही है।

अपारशक्ति ने साझा किया दर्द, कहा- ट्रेलर लॉन्च के दौरान मंच पर आने से रोका गया

अपारशक्ति खुराना हिंदी फिल्मों के जाने-माने अभिनेता हैं। हाल में ही वह ब्लॉकबस्टर फिल्म स्त्री 2 में नजर आए हैं। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी धमाल मचा रही है। फिल्म में अपारशक्ति की कॉमिक टाइमिंग और अन्य कलाकारों के साथ उनकी जुगलबंदी दर्शकों को काफी भा रही है। इस फिल्म के अलावा भी आयुष्मान खुराना ने कई फिल्मों में सहायक अभिनेता की भूमिका निभाई है। हाल में ही उन्होंने एक इंटरव्यू में काफी सनसनीखेज खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि एक फिल्म के अभिनेता ने ट्रेलर लॉन्च के दौरान उन्हें मंच पर न आने देने के लिए निर्माताओं को से बात की थी।

एक मुख्य अभिनेता ने कर दी थी अनदेखी: अभिनेता के हालिया बयान से साफ होता है कि कुछ लोग बॉलीवुड में अपने रसूख का गलत इस्तेमाल करते हैं। मशहूर अभिनेता आयुष्मान खुराना के भाई अपारशक्ति खुराना ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि एक फिल्म के मुख्य अभिनेता ने काफी बुरा उदाहरण पेश किया था। उन्होंने कहा कि एक अभिनेता ने निर्माताओं से ट्रेलर लॉन्च के समय कहा था कि उन्हें मंच पर न आने दिया जाए। अपारशक्ति ने इस फिल्म की शूटिंग के दौरान कलाकारों और क्रू के सदस्यों के साथ काफी वक्त बिताया था, लेकिन इतने बड़े दिन पर इस अनदेखी से उन्हें काफी बुरा महसूस हुआ था। ट्रेलर लॉन्च के दौरान मंच पर आने से रोक दिए गए थे अभिनेता अभिनेता ने कहा, हम सभी ने ट्रेलर लॉन्च से पहले फिल्म देखी थी, जो बहुत अच्छी बनी थी। हम सभी को फिल्म पसंद आई, लेकिन ट्रेलर लॉन्च के दिन अभिनेता ने निर्माता से तीन मिनट पहले कहा कि अपारशक्ति को मंच पर नहीं होना चाहिए, आप सभी अन्य अभिनेताओं को बुला सकते हैं।फ अभिनेता ने बताया कि वह इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए अमृतसर से विशेष रूप से मुंबई आए थे, लेकिन मुख्य अभिनेता ने सबके सामने उन्हें सार्वजनिक रूप से अनदेखा कर दिया था।

फिल्म 'वॉर 2' में होगा ऋतिक रोशन-कियारा आडवाणी का रोमांटिक ट्रैक, इटली में होगा शूट

वॉर 2 ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के एक्शन सक्वेंस को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई है। वहीं अब इस फिल्म को लेकर जानकारी सामने आई है कि फिल्म में ऋतिक और कियारा आडवाणी का एक बेहद ही रोमांटिक सॉन्ग होगा, जिसे इटली में शूट किया जाएगा। इन दिनों ऋतिक रोशन अपनी आगामी एक्शन ड्रामा फिल्म वॉर 2 को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में ऋतिक के साथ पहली बार जूनियर एनटीआर नजर आएंगे। फिल्म को लेकर एक जानकारी सामने आई है, जिसके मुताबिक वॉर 2 में कियारा और ऋतिक का एक रोमांटिक ट्रैक हो सकता है, जिसको इटली में शूट किया जाएगा। निर्देशक अयान मुखर्जी वॉर 2 के प्रोडक्शन को इटली ले जाने की योजना बना रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 18 सितंबर, 2024 से, टीम इटली में ऋतिक और कियारा आडवाणी पर प्रीतम द्वारा रचित एक रोमांटिक सॉन्ग की शूटिंग शुरू होगी। वॉर 2 के गाने की शूटिंग इटली लगभग 15 दिनों तक चलेगी। अयान ने रोमांटिक गाने को फिल्माने के लिए वहां पर पूरी योजना बनाई है। इस गाने में ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी का अब तक का सबसे ग्लैमर अवतार नजर आएगा।

प्रीतम ने तैयार किया है खास गाना: प्रीतम द्वारा रचित इस गीत का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है और इसे वेनिस, टस्कनी, लेक कोमो, नेपल्स, अमाल्फी तट और सोरेंटो सहित कई खूबसूरत स्थानों पर फिल्माया जाएगा। गीत के बाद, क्रू अक्तूबर की शुरुआत में भारत लौटेगा। बता दें कि वॉर 2 आदित्य चोपड़ा की वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की छठी किस्त है, इससे पहले एक था टाइगर (2012), टाइगर जिंदा है (2017), वॉर (2019), पठान (2023) और टाइगर 3 (2023) आ चुकी हैं। यह फिल्म एनटीआर जूनियर की हिंदी सिनेमा में पहली फिल्म भी है। वॉर 2 को लेकर ऋतिक और जूनियर एनटीआर के प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं।

काम की बात करें तो कियारा 'वॉर 2' के अलावा फिल्म गेम चेंजर में राम चरण के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा कियारा निर्देशक फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 3 में भी नजर आएंगी। वहीं जूनियर एनटीआर वॉर 2 के अलावा फिल्म देवरा में डबल रोल में नजर आएंगे।

सफर के दौरान लगातार हो रही चोरी की वारदातें, अंकुश नहीं लगा पा रही पुलिस

लैपटाप-मोबाइल समेत लाखों का सामान चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। ट्रेनों में सफर के दौरान यात्रियों के सामान चोरी होने का सिलसिला जारी ह। पिछले चौबीस घंटों के दौरान बदमाश लैपटाप और मोबाइल फोन समेत लाखों रुपये का सामान चोरी कर ले गए। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार उज्जैन निवासी इंदर हिरवे सोमवार को पैसेंजर ट्रेन में उज्जैन से भोपाल की यात्रा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अपना पिट्ठू बैग साइड वाली सीट पर रख दिया था। संत हिरदाराम नगर स्टेशन आने पर देखा तो बैग गायब हो चुका था। बैग में 2 लैपटाप, स्वास्थ विभाग का आईडी कार्ड और इस्तेमाली कपड़े समेत करीब 60 हजार का सामान रखा हुआ था। इसी प्रकार अभिषेक सोलंकी का श्रीधाम एक्सप्रेस में सफर के दौरान मोबाइल चोरी हो गया। वह मथुरा से इटारसी की यात्रा कर रहे थे। भोपाल आने से पांच मिनट पहले देखा तो मोबाइल गायब था। इधर सतना निवासी मयंक द्विवेदी इंदौर भोपाल एक्सप्रेस में इंदौर से भोपाल की यात्रा कर रहा था। इस दौरान किसी ने पैंट की जेब में रखे दो मोबाइल फोन चोरी कर लिए। एक मोबाइल के कवर में दो हजार रुपये नकद भी रखे हुए थे। चोरी गए मोबाइलों की कीमत 38 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने मयंक के चाचा की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। दो युवकों के मोबाइल और पर्स चोरी उत्तर प्रदेश निवासी संजय कपडिया झांसी से भोपाल आए थे। उन्हें राजकोट जाना था। ट्रेन नहीं होने के कारण वह मुसाफिर खाने में जाकर सो गए। कुछ समय बाद नींद खुली तो पैंट की जेब में रखा 12 हजार रुपये कीमत का मोबाइल नहीं था। इसी प्रकार रवि चौधरी पंचवेली एक्सप्रेस के जनरल कोच में भोपाल से छिंदवाड़ा जा रहे थे। भोपाल स्टेशन से ट्रेन रवाना होने पर देखा तो उनकी जेब में रखा पर्स नहीं था। पर्स में वोटर आईडी, पैनकार्ड, गाड़ी की टिकट, तीन क्रेडिट कार्ड, दो डेबिट कार्ड और नगदी 2600 रुपए रखे हुए थे। जीआरपी ने दोनों ही मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

काउंटर में हाथ डालकर चुराया एक लाख तीस हजार का मोबाइल

भोपाल। हनुमानगंज स्थित एक मोबाइल दुकान के काउंटर में रखा 1 लाख 30 हजार रुपए का मोबाइल चोरी हो गया। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में एक युवक काउंटर के भीतर हाथ डालकर मोबाइल चुराते हुए दिखाई दिया है। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। हुलिये के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस के मुताबिक कमल अहिरवार (42) शंकर नगर बरखेड़ा पठानी गोविंदपुरा में रहते हैं और मोबाइल एसेसरीज तथा रिपेयरिंग की दुकान चलाते हैं। पिछले महीने 17 अगस्त को वह मोबाइल रिपेयरिंग से संबंधित काम के सिलसिले में चैतन्य मार्केट घोड़ा नक्कास हनुमानगंज स्थित अपने मित्र की मोबाइल दुकान पर गए थे। इस दौरान उन्होंने अपना सैमसंग कंपनी का एस-24 अल्ट्रा ग्रे-कलर का मोबाइल जेब से निकालकर दुकान के काउंटर में रख दिया और काम करने लगे। कुछ देर बाद देखा तो उनका मोबाइल गायब था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 1 लाख 30 हजार रुपए बताई गई है। कमल ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे देखे तो एक युवक काउंटर में हाथ डालकर उनका मोबाइल चुराते हुए दिखाई दिया। उन्होंने पूरे मार्केट में उक्त लड़के की तलाश की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पाया। बाद में वह काम से अपने गांव चले गए थे। वहां से लौटने के बाद सोमवार को थाने जाकर मोबाइल चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

दुकानदार की स्कूटर ले उड़े बदमाश

भोपाल। मंगलवारा इलाके में रहने वाले एक दुकानदार की स्कूटर चोरी हो गई। पुलिस के मुताबिक सौरभ कुरील (22) कुम्हारपुरा मंगलवारा में रहते हैं और आजाद मार्केट में फुट वेयर की दुकान चलाते हैं। 9 सितंबर की रात करीब दो बजे उन्होंने अपनी स्कूटर घर के बाहर खड़ी की और अंदर जाकर सो गए। सुबह करीब 9 बजे नींद खुली तो देखा कि उनकी स्कूटर गायब हो चुकी है। आसपास तलाश करने पर भी जब स्कूटर का कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसी प्रकार तलैया थानांतर्गत आर्च ब्रिज के पास छोटे तालाब के किनारे से शहबाज खान और शहंशाह गार्डन थाना अशोका गार्डन से आदित्य जाट की मोटर सायकिल चोरी चली गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

नौकरी के लिए इंटरव्यू देने आया था

स्टेशन जा रहे युवक को कार ने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हनुमानगंज इलाके में पैदल स्टेशन जा रहे एक युवक को कार चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। घटना के समय युवक सागर जाने लिए स्टेशन जा रहा था। पुलिस ने टक्कर मारने वाले अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक लोकेश सेन (23) नरयावली जिला सागर का रहने वाला है। सोमवार को वह नौकरी के लिए इंटरव्यू देने भोपाल आया था। दोपहर करीब दो बजे वापस घर जाने के लिए रेलवे स्टेशन जा रहा था। स्टेशन के सामने महाकाल भोजनालय के पास पहुंचा, तभी पीछे से आए सफेद रंग के कार चालक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही लोकेश गिरकर घायल हो गया, इस बीच चालक कार लेकर वहां से भाग निकला। हनुमानगंज पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इधर गौतम नगर थानांतर्गत नारियलखेड़ा में रहने वाले राजेश तिवारी (59) प्रापर्टी डीलिंग का काम करते हैं। सोमवार की शाम करीब पांच बजे उनकी वैगनआर कार घर से कुछ दूरी पर खड़ी थी। इसी दौरान राशिद नामक एक युवक ने सीमेंट का पिलर तोड़ा तो वह कार पर गिर गया, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गयी। राजेश ने जब राशिद से बोला कि तुमरे मेरा नुकसान कर दिया तो उसने उनके साथ गाली-गलौज कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

जर्जर हालत में आरक्षण भवन

भोपाल,दोपहर मेट्रो। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर स्थित आरक्षण भवन की हालत जर्जर हो गई है। जहां एक ओर दीवार पर कई जगह से प्लास्टर उखड़ गया है तो वहीं दूसरी ओर दीवार पर कई जगहों पर बारिश से सिड़न आ गई।

एमपी नगर स्थित निर्माणाधीन बिल्डिंग में हादसा

लिफ्ट के गड्ढे में गिरने से मजदूर की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एमपी नगर स्थित एक निर्माणाधीन बिल्डिंग के लिफ्ट के गड्ढे में गिरने से मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। पुलिस के मुताबिक प्रेमराव मेघवाल (32) मूलतः राजस्थान का रहने वाला था। फिलहाल वह बागसेवनिया इलाके में रहता था और मजदूरी करता था। इन दिनों उसका काम जैन मंदिर के पास शिवाजी नगर स्थित एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में चल रहा था। इस बिल्डिंग का काम लगभग पूरा हो चुका है। फर्नीचर और लिफ्ट लगाने का काम बाकी है। रविवार की रात प्रेमराव अपने चार साथियों के साथ मिलकर यहां काम कर रहा था। काम खत्म होने के बाद सभी मजदूर बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर सो गए। सोमवार सुबह एक साथी की नींद खुली तो प्रेमराव दिखाई नहीं दिया। उसने आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। तलाश करते हुए मजदूरों ने जब लिफ्ट के लिए छोटे गए गड्ढे में झांका तो प्रेमराव जमीन पर पड़ा दिखा। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम कराया और लाश परिजनों को सौंप दी। अनुमान है कि रात में वह किसी समय उठा होगा और गलती से लिफ्ट वाले गड्ढे में जा गिरा होगा, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अज्ञात वाहन ने स्कूटर सवार को मारी टक्कर, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित भदभदा चौकी के पास अज्ञात वाहन ने स्कूटर सवार व्यक्ति को टक्कर मार दी। उन्हें गंभीर अवस्था में मालवीय नगर स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया, वहां कुछ ही देर बाद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार रमेश प्रसाद प्रजापति (55) सबरी नगर, कमला नगर में रहते थे और प्राइवेट काम करते थे। मंगलवार शाम वे रातीबड़ से सबरी नगर स्कूटर से लौट रहे थे। इस दौरान भदभदा पुलिस चौकी के पास शाम करीब 7 बजे के आसपास उन्हें अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उन्हें गंभीर चोट आई थी। राहगीरों ने एंबलेंस की मदद से उन्हें मालवीय नगर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया, वहां करीब ढाई घंटे बाद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि टक्कर मारने वाले वाहन और चालक दोनों की तलाश की जा रही है।

अरेरा कॉलोनी में ठेकेदार ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित ई-थ्री में बीती रात एक ठेकेदार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उनका शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया था। पुलिस ने घटनास्थल सील कर दिया है। पुलिस का कहना है कि आज पीएम के बाद घटनास्थल का निरीक्षण किया जाएगा। रात होने के कारण निरीक्षण नहीं किया गया था। निरीक्षण के बाद ही पता चल सकेगा कि उन्होंने सुसाइड नोट लिखा है या नहीं। फिलहाल आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस के अनुसार ई-थ्री अरेरा कॉलोनी निवासी 54 साल के दिव्या बुधानी पिता पीएम बुधानी, सिविल कांट्रेक्टर थे। मंगलवार रात उन्होंने अपने घर के कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उन्हें फंदे से उतारकर पास ही स्थित ट्रामा अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि देर रात सूचना मिलने के कारण पुलिस ने शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया था। परिजन से पूछताछ नहीं हो सकी थी। पुलिस आज उनके परिजन से पूछताछ की करेगी।

जहांगीराबाद में दुकानदार से 1 लाख की अड़ीबाजी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जहांगीराबाद इलाके में एक दुकानदार के साथ कुख्यात बदमाश ने 1 लाख रुपए की अड़ीबाजी की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक इमरान खान (29) बरखेड़ी जहांगीराबाद में रहते हैं और गल्ला मंडी में सांची दूध डेयरी चलाते हैं। रविवार की शाम करीब छह बजे बदमाश जुबेर मौलाना उनकी दुकान पर पहुंचा और एक लाख रुपये मांगने लगा। इमरान ने जब रुपये देने से मना किया तो उसने गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। बदमाश का कहना था कि दुकान चलानी है तो रंगदानी देनी पड़ेगी। अगले दिन सोमवार को इमरान ने परिजनों को घटना की जानकारी दी और फिर थाने जाकर बदमाश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

मेट्रो एंकर किशोरी का पीछा कर दोस्ती करने के लिए दबाव बना रहा था आरोपी

नाबालिगों के साथ अश्लील हरकत, केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कोलार और छोला मंदिर इलाके में रहने वाली दो नाबालिग लड़कियों के साथ अश्लील हरकत और मारपीट करने के मामले सामने आए हैं। पुलिस ने दोनों ही मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी आठवीं कक्षा में पड़ती है। पिछले कुछ दिनों से रंजीत नामक युवक उसे परेशान कर रहा था। वह किशोरी का पीछा कर दोस्ती करने के लिए दबाव बना रहा था। बीती दो सितंबर को रंजीत ने किशोरी के साथ अश्लील हरकत की थी, लेकिन तब पीड़िता ने रिपोर्ट नहीं की।

सोमवार को रंजीत ने सरेराह लड़की का हाथ पकड़कर उसके साथ अश्लील हरकत करने लगा। पीड़िता ने शोर मचाया तो उसकी मां पहुंची। उसने रंजीत को समझाने का प्रयास किया तो उसने गाली-गलौज करते हुए मां के साथ मारपीट कर दी। बाद में मां अपनी बेटी को लेकर थाने पहुंची, जहां पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करवा दिया। इधर, छोला मंदिर इलाके में रहने वाली 13 वर्षीय किशोरी के साथ अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक पीड़िता पांचवीं कक्षा में पड़ती थी। उसके पिता व्यवसाय करते हैं। पिता ने अज्जू नामक युवक को अपने यहां काम पर रखा हुआ है। सोमवार की शाम करीब चार बजे किशोरी कोई सामान रखने के लिए गोदाम पर गई थी। यहां अज्जू बैठा हुआ था। उसने किशोरी को अकेला पाकर बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया। किशोरी शोर मचाते हुए घर पहुंची और मां-पिता को घटना की जानकारी दी। उसके बाद परिजन बेटी को लेकर थाने पहुंचे, जहां लड़की ने अज्जू के खिलाफ छेड़छाड़ और पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज करवा दिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022